हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 17.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 350 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

रथ यात्रा में शामिल हुए राज्यपाल व मुख्यमंत्री

राज्य की खुशहाली व समृद्धि की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा के अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। सभी नेताओं ने भगवान जगन्नाथ से राज्य में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की कृपा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उन्होंने कहा कि रथ यात्रा का यह पावन पर्व सेवा, समरसता, आस्था और मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने रथ यात्रा को सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताते हुए सभी के मंगलमय जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी झारखंडवासियों को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रभु जगन्नाथ से राज्य के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कामना की कि महाप्रभु जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि तथा उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो।

ममता को एक और झटका : सांसद कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी सियासी उठापटक के बीच पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एक महीने पहले इस्तीफे की घोषणा की थी और गुरुवार को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंप दिया। कोयल मलिक को इसी वर्ष अप्रैल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यसभा भेजा था। हालांकि, महज कुछ महीनों के भीतर ही

उन्होंने सांसद पद छोड़ने का फैसला कर लिया। उनके इस्तीफे से पार्टी में जारी असंतोष की चर्चाओं को और बल मिला है। कोयल मलिक से पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर समेत कई नेताओं ने भी राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था।

ट्रैक्टर से टकराई स्कूटी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

रायपुर : छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक आठ वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कुम्हारी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ऑक्सीजन सिलेंडर लदे ट्रैक्टर से स्कूटी टकराने के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय अमृता निर्मलकर स्कूटी चला रही थीं। उनके साथ उनकी 26 वर्षीय बहन लक्ष्मी निर्मलकर, दोनों की चार और सात वर्ष की बेटियां तथा आठ वर्षीय बेटा सवार थे। रायपुर स्थित मामा के घर जाते समय स्कूटी हाईवे पर खड़े ट्रैक्टर के पीछे जा टकराई।

सीएम हेमंत सोरेन से रामकृष्ण मिशन के पदाधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रति-कुलपति स्वामी आत्मप्रियानंदजी और रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी के सचिव स्वामी भवेशानंदजी ने शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान दोनों संतों ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा की। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में संपन्न हुई।

पुरी रथ यात्रा में भगदड़ : एक श्रद्धालु की मौत, 200 से अधिक घायल

एजेंसी

पुरी : भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा के पहले दिन गुरुवार को पुरी के ग्रैंड रोड (बड़ा डंडा) पर भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ मंदिर से बाहर निकलते ही ग्रैंड रोड पर लाखों श्रद्धालु उमड़ पड़े। इसी दौरान अफरा-तफरी मच गई। दम घुटने से एक श्रद्धालु बेहोश हो गया, जिसे पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

स्पेशल रेस्क्यू यूनिट की टीमों ने तुरंत राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को भीड़ से बाहर निकाला। सभी घायलों को पुरी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने ग्रैंड रोड पर अतिरिक्त सुरक्षा बल और आपातकालीन चिकित्सा दल तैनात कर दिए हैं।

रथ यात्रा के शुभारंभ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को पारंपरिक विधि-विधान के साथ रथों पर विराजमान किया गया। शंख, घंटों और जयघोष के बीच लाखों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक यात्रा के साक्षी बने, लेकिन भारी भीड़ के कारण आयोजन के दौरान यह दुखद हादसा हो गया।

रथ यात्रा को देखते हुए ओडिशा सरकार ने भारी बारिश और जलभराव से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

होर्मुज में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान जा रहे तेल टैंकर पर किया हमला

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन कर ईरान की ओर बढ़ रहे एक खाली तेल टैंकर पर अमेरिकी सेना ने हेलफायर मिसाइल दागकर उसे निष्क्रिय कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर हवाई हमले भी किए हैं। घटनाक्रम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की।

अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) के अनुसार, कुराकाओ के झंडे वाला खाली तेल टैंकर एमटी बेल्मा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से खार्ग द्वीप की ओर बढ़ रहा था। कई चेतावनियों के बावजूद जहाज नहीं रुका। इसके बाद अमेरिकी विमान ने जहाज की चिमनी पर हेलफायर मिसाइलें दागकर उसे निष्क्रिय कर दिया। खार्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नाकाबंदी लागू होने के बाद यह पहली ऐसी कार्रवाई है। सेंटकॉम ने बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के उन सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने के लिए किया जाता था। ग्रेटर टुनब द्वीप भी हमलों का निशाना बना।

दुमका में बनेगा नया मेडिकल कॉलेज, 100 एमबीबीएस सीटों को मिली मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : झारखंड को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने दुमका जिले के रानीश्वर में सिदो-कान्हू मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 100 एमबीबीएस सीटों के साथ नए निजी मेडिकल कॉलेज के रूप में मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राज्य में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या बढ़कर 1500 हो गई है।

650 बेड के अस्पताल के साथ शुरू होगा मेडिकल कॉलेज

मेडिकल कॉलेज के निदेशक मुरली नायर ने बताया कि रानीश्वर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस परिसर तैयार किया गया है। यहां पिछले चार वर्षों से 650 बेड का अस्पताल संचालित हो रहा है। अस्पताल में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सीटी स्कैन, डायलिसिस समेत आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

राज्य में 370 एमबीबीएस सीटों का इजाफा

एनएमसी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए झारखंड में कुल 370 नई एमबीबीएस सीटों को मंजूरी दी है। रिम्स, रांची में सीटें 180 से बढ़ाकर 250 कर दी गई हैं। वहीं, मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज की सीटें 200 से 250, लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज की सीटें 100 से 150 और नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज की सीटें 100 से बढ़ाकर 200 कर दी गई हैं।

राज्य में अब छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 800 एमबीबीएस सीटें होंगी।

चार निजी मेडिकल कॉलेजों में 700 सीटें उपलब्ध होंगी।

कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या 1130 से बढ़कर 1500 हो गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 1500 सीटों पर दाखिला होगा।

एक नजर

विधायक के सौजन्य से रथ यात्रा पर श्री जगन्नाथ धाम में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का हुआ वितरण

हजारीबाग : रथ यात्रा के शुभ अवसर पर सिलवार स्थित श्री जगन्नाथ धाम में हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद जी के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी का पावन प्रसाद वितरित किया गया। रथ यात्रा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री जगन्नाथ धाम पहुँचे और महाप्रभु श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का महापर्व है। महाप्रभु का प्रसाद सभी को समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। उल्लेखनीय है कि विधायक प्रदीप प्रसाद प्रत्येक वर्ष रथ यात्रा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण का आयोजन कराते हैं। यह सेवा-कार्य वर्षों से निरंतर जारी है, जो महाप्रभु श्री जगन्नाथ के प्रति उनकी गहरी आस्था एवं जनसेवा के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ से प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

प्रधानमंत्री आज करेंगे पुनर्विकसित मुरी रेलवे जंक्शन का लोकार्पण : विनय

मुरी : भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत पूर्णतः पुनर्विकसित एवं आधुनिक स्वरूप में तैयार मुरी रेलवे जंक्शन का भव्य लोकार्पण 17 जुलाई 2026 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा। यह अवसर मुरी सहित पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण होगा। लोकार्पण समारोह की तैयारियों का निरीक्षण करने कार्यक्रम स्थल पहुँचे भाजपा रांची पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कहा कि मुरी रेलवे जंक्शन का यह व्यापक कायाकल्प माननीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ के सतत प्रयासों, दूरदर्शी सोच और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सांसद संजय सेठ के अथक प्रयासों से आज मुरी रेलवे जंक्शन को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित नई पहचान मिली है, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ के प्रति क्षेत्रवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

भाजपा रांची पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों, सामाजिक कार्यकताओं, भाजपा के देवतुल्य कार्यकताओं तथा आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में मुरी रेलवे जंक्शन परिसर पहुँचकर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और इस गौरवपूर्ण अवसर को यादगार बनाएं। मौके पर सिल्ली मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक, रामपुर मंडल अध्यक्ष अमित मांझी, सुधीर साहू, भेंगराज प्रसाद, पंकज कुम्हार, रमेश कुम्हार आदि मौजूद रहे।

श्री जगन्नाथ धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब एसपी ने धर्मपत्नी संग की विशेष पूजा-अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रथ यात्रा महोत्सव के अवसर पर गुरुवार को हजारीबाग के ऐतिहासिक सिलवार श्री जगन्नाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और "जय जगन्नाथ" के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। भगवान श्री जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र के दर्शन-पूजन के लिए सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार अपनी धर्मपत्नी के साथ मंदिर पहुंचे और वैदिक रीति-विधान से भगवान श्री जगन्नाथ की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने जिले में सुख-समृद्धि, शांति, सामाजिक सौहार्द एवं नागरिकों की खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह भी उनके साथ उपस्थित थे। पूजा-अर्चना के बाद एसपी ने मंदिर परिसर, रथ यात्रा मार्ग एवं मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। एसपी ने मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह एवं सीसीआर डीएसपी को रथ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने को कहा। मुख्य मार्गों, मंदिर परिसर तथा संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग को प्रभावी बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि "रथ यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।" मंदिर प्रबंधन समिति ने पुलिस प्रशासन द्वारा की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं एसपी की सक्रियता की सराहना की। समिति ने कहा कि बेहतर प्रबंधन के कारण श्रद्धालु निर्भय होकर भगवान के दर्शन कर रहे हैं। रथ यात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह, श्रद्धा और अनुशासन का वातावरण बना रहा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

चौपारण : भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा गुरुवार को चौपारण में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ निकाली गई। रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी से पूरा नगर जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा।भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दिव्य दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और हर ओर भजन-कीर्तन, शंखनाद तथा पुष्पवर्षा से धार्मिक उत्साह देखने को मिला। रथयात्रा का शुभारंभ पारंपरिक 'छेरा पहरा' की पावन परंपरा के साथ हुआ। इसके बाद बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकठा विधायक अमित यादव, रथयात्रा आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह, संजय सिंह सहित समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर रथ को रवाना किया।

एनपीएस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, किसानों और श्रमिकों को दी गई पेंशन सुरक्षा की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पीएफआरडीए और बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त समन्वय से गुरुवार को होटल श्री विनायक में "बीज एनपीएस का, फसल पेंशन की" विषय पर वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, छोटे कारोबारियों और ग्रामीण परिवारों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के माध्यम से वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। पीएफआरडीए के उप महाप्रबंधक मनीष मणि, नाबार्ड की डीडीएम सुश्री रिचा भारती, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक भोला दानी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि छोटे परिवार, बढ़ता खर्च और अनिश्चित आय के बीच हर व्यक्ति को अपनी वृद्धावस्था के लिए स्वयं तैयारी करनी होगी। विशेष रूप से किसानों और छोटे कारोबारियों की आय मौसम व बाजार पर निर्भर है। ऐसे में एनपीएस नियमित बचत के जरिए भविष्य के लिए स्थायी और भरोसेमंद आर्थिक सुरक्षा का प्रभावी माध्यम है। डॉक्यूमेंट्री के जरिए पीएफआरडीए के कार्यों और एनपीएस के लाभों की जानकारी दी गई। उपस्थित एफपीओ सदस्यों, कृषि श्रमिकों और उद्यमियों को एनपीएस से जुड़ने की प्रक्रिया, निवेश विकल्प और दीर्घकालीन फायदों से अवगत कराया गया।

सुशी चंद्रगुप्त कोल माइंस में मेगा रक्तदान शिविर 54 यूनिट रक्त संग्रहित, उपायुक्त ने की सराहना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सुशी चंद्रगुप्त कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड, केरेडारी द्वारा बुधवार को कंपनी के साइट कार्यालय परिसर में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग के ब्लड बैंक के सहयोग से सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 54 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर का उद्घाटन उपायुक्त हेमंत सती ने किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है। उपायुक्त ने सुशी चंद्रगुप्त कोल माइंस के प्रबंधन द्वारा समाजहित में की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। उद्घाटन के बाद उपायुक्त ने कंपनी की खदान परियोजना क्षेत्र का भी निरीक्षण किया और संचालन संबंधी जानकारी ली। इस दौरान कंपनी प्रबंधन ने उपायुक्त का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारी, ब्लड बैंक की चिकित्सकीय टीम तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय बरसोत एवं एस सी आवासीय विद्यालय करियातपुर को लेकर के आरटीआई के जरिए मांगी सूचनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड अंतर्गत बरसोत गांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और राजकीय अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं और सरकारी राशि के खर्च की पारदर्शिता को लेकर सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आवेदन दिया गया है। वरिष्ठ पत्रकार सह अधिवक्ता सुजीत कुमार पिता स्व. अलख निरंजन प्रसाद, निवासी ग्राम बरसोत, थाना बरही, जिला हजारीबाग ने जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जन सूचना पदाधिकारी और जिला कल्याण पदाधिकारी सह जन सूचना पदाधिकारी को अलग-अलग आरटीआई आवेदन भेजकर दोनों विद्यालयों से विस्तृत जानकारी मांगी है। आवेदन में पूछा गया है कि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बरसोत में कुल कितनी बच्चियां नामांकित हैं और वर्गवार उनकी संख्या क्या है, छात्रों को सुबह, दोपहर और शाम में पूरे सप्ताह क्या भोजन दिया जाता है, भोजन सामग्री किस एजेंसी के माध्यम से आपूर्ति की जाती है और एजेंसी से हुआ टडव की प्रति उपलब्ध कराई जाए तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में सभी स्त्रोतों से प्राप्त राशि और खर्च का पूरा ब्यौरा के साथ विद्यालय के संचालित बैंक खाते की सत्यापित प्रति दी जाए। इसी प्रकार राजकीय अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय बरसोत में कुल कितने बच्चे नामांकित हैं, बच्चों को सुबह, दोपहर और शाम का पूरे सप्ताह का मेन्यू क्या है, भोजन सामग्री किस माध्यम से दी जाती है और संबंधित एजेंसी का विवरण व टडव की प्रति उपलब्ध कराई जाए तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में प्राप्त राशि एवं खर्च की संपूर्ण जानकारी दी जाए। आवेदक ने दोनों आवेदन के साथ नियमानुसार 10-10 रुपए का पोस्टल ऑर्डर संख्या 69F/777572 और 69F/777579 संलग्न किया है और 30 दिनों के अंदर सूचना उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि KGBV और SC आवासीय विद्यालयों में गरीब, अल्पसंख्यक एवं दलित वर्ग के बच्चों को निशुल्क आवास, भोजन एवं शिक्षा दी जाती है और भोजन की गुणवत्ता व फंड के उपयोग को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। सुजीत कुमार ने बताया कि दोनों विद्यालयों में भोजन की व्यवस्था सही तरीके से नहीं हो रही है। कई बार बच्चों द्वारा शिकायत की जाती है लेकिन सुधार नहीं हो रहा है। इसलिए सूचनाएं मांगी गई है। जिसके बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ के नीचे खड़े दो युवकों पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

लातेहार : सदर थाना क्षेत्र के नवोदय रोड स्थित कस्तूरबा विद्यालय के समीप रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पीयूष कुमार (20) तथा पवन साहू (20) के रूप में हुई है। दोनों लातेहार जिला मुख्यालय के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक मोटरसाइकिल से नवोदय रोड की ओर किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों सड़क किनारे एक महुआ के पेड़ के नीचे रुक गए। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान पीयूष कुमार का मोबाइल भी ब्लास्ट हो गया और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस अधीक्षक से यूथ विंग की औपचारिक मुलाकात, राहत अभियान के तहत ट्रैफिक कर्मियों को बांटे जाएंगे रेनकोट

कर्तव्य निभाने वालों का सम्मान करना भी समाज की जिम्मेदारी है : चंद्र प्रकाश जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हजारीबाग यूथ विंग के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान संस्था द्वारा आगामी राहत अभियान की जानकारी दी गई, जिसके तहत बरसात के मौसम में ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को रेनकोट उपलब्ध कराए जाएंगे। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल के निर्देश पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक से औपचारिक मुलाकात कर सेवा एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। सर्वप्रथम उन्हें भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने हजारीबाग यूथ विंग द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनहित और सेवा से जुड़े ऐसे अभियान समाज में सहयोग एवं संवेदनशीलता की भावना को और मजबूत करते हैं। उन्होंने राहत अभियान की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति सेवा भाव ही एक सशक्त एवं जागरूक समाज की पहचान है। राहत अभियान के प्रथम चरण में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बारिश के बीच अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के बीच रेनकोट का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही जरूरतमंद राहगीरों तथा श्रावणी मेले के दौरान बोल बम यात्रा पर निकलने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी रेनकोट वितरित किए जाएंगे, ताकि वर्षा के दौरान उन्हें राहत मिल सके। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का उद्देश्य केवल सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के उन वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, जो हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ट्रैफिक पुलिसकर्मी धूप, बारिश और अन्य चुनौतियों के बीच लगातार आमजन की सेवा करते हैं। ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान करना भी समाज की जिम्मेदारी है और यह अभियान उसी भावना का प्रतीक है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग समय-समय पर जनकल्याणकारी एवं राहत अभियान संचालित करती रही है।

संक्षिप्त खबरें

पहली बार इस्कॉन की भव्य और दिव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा निकली, सांसद हुए शामिल

हजारीबाग : शहर में पहली बार इस्कॉन द्वारा श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के तहत पीटीसी चौक, मटवारी स्थित इस्कॉन मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की भव्य एवं दिव्य रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी और पूरा शहर "हरे कृष्ण" संकीर्तन व जयघोष से भक्तिमय हो गया। रथ यात्रा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल भी शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं के साथ रथ की रस्सी खींचकर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हजारीबाग में पहली बार इस्कॉन द्वारा इतनी भव्य रथ यात्रा का आयोजन होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे तथा समाज में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही उनकी कामना है। इस्कॉन द्वारा तैयार किया गया रिमोट संचालित झारखंड का सबसे बड़ा रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही महाप्रभु का रथ यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ा, दर्शन और रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, पुष्पवर्षा और जय श्री जगन्नाथ के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रथ यात्रा में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन के सफल संचालन में इस्कॉन के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल का निःशुल्क बाल हृदय जांच शिविर रसोईया धमना में संपन्न

बरही : अनुमंडलीय अस्पताल बरही के द्वारा नन्हा सा दिल बाल हृदय जांच एवं निवारण निशुल्क कैम्प का आयोजन मदरसा अजीजिया जेया उल उलूम रसोईया धमना, धनवार और जीतपुर क्षेत्र में किया गया। कैम्प में समाज सेवी तौकीर रजा ने पूरा दिन उपस्थित रहकर बच्चों की जांच में सहयोग किया और आसपास के लोगों को जागरूक भी किया ताकि कोई भी बच्चा इस बीमारी से वंचित न रहे। तौकीर रजा ने बताया कि यदि कोई बच्चा जांच से वंचित रह गया है तो वह अपने नजदीकी पंचायत में लगने वाले कैम्प में जाकर जांच करवा सकता है। चिकित्सकों ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों में तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर का नीलापन , बार-बार सर्दी-खांसी , सांस लेने में तकलीफ, स्तनपान के दौरान पसीना आना शामिल हैं। कैम्प में सभी सेवाएं पूर्णतया निःशुल्क दी गईं। रसोईया धमना में आयोजित कैम्प में कुल 302 बच्चों की जांच की गई जिसमें 1 बच्चा संदिग्ध पाया गया। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो, पंचायत समिति सदस्य मो. तैयब अंसारी, डॉ. एजाज अहमद, प्रधानाध्यापक मो. अख्तर, हाफिज सरफराज अहमद, मो. इल्यास, गुलाम सरवर, मो. सरफराज, नर्सिंग कर्मी लक्ष्मी प्रिया, अंजू कुमारी, शाहजहाँ बेगम, सहिया साथी मीना देवी, शम्मा परवीन, संगीता देवी, रिजवाना परवीन, मुन्नी देवी, नुरेशा खातून, मो. सेराज, मो. दाऊद, किशोर राणा, सतेन्द्र साव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हजारीबाग पुलिस का वाहन चेकिंग एवं जागरूकता अभियान, 230 वाहनों का कटा चालान

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार दिनांक बुधवार को यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत इंद्रपुरी चौक से पैगोडा चौक तक वाहन चेकिंग के साथ-साथ आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। जिला सीसीआर के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में थाना प्रभारी यातायात, 03 पुलिस पदाधिकारी एवं 10 गृहरक्षकों की टीम गठित कर यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट 142, ट्रिपल लोड 33, मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन चलाने के 10 तथा नो पार्किंग में खड़े 45 ऑटो, टोटो एवं अन्य वाहनों का चालान काटा गया। पुलिस ने बताया कि आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आम लोगों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट पहनें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें और निर्धारित पार्किंग में ही वाहन खड़ा करें।

भ्रष्टाचार और मनमानी के विरोध में अंचल कार्यालय पर जनप्रतिनिधियों का प्रदर्शन

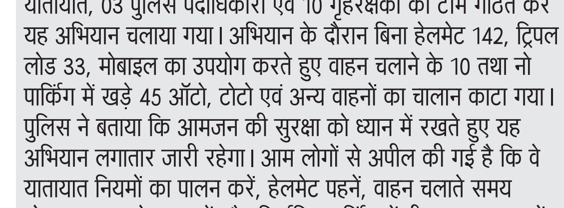

चलकुशा : अंचल कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार, मनमानी और आम लोगों के कार्यों में हो रही देरी के विरोध में अंचल परिसर गेट के समक्ष जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने का नेतृत्व मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, विधायक प्रतिनिधि लखन साव, मुखिया सुखदेव यादव सीताराम पंडित तथा पत्रकार मुन्ना यादव ने किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंचल अधिकारी नवीन भूषण कुल्लू, प्रधान लिपिक उमेश राणा तथा अन्य कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और कार्यों में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए। मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह ने आरोप लगाया कि चलकुशा अंचल कार्यालय इन दिनों भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के कार्य महीनों तक लंबित रखे जाते हैं और विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए कथित रूप से मोटी रकम की मांग की जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके सामने कुछ लोगों को अंचल कार्यालय से धक्का देकर बाहर निकाल दिया गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

एक नजर

भूपिंदर बने रोटरी क्लब रांची मिडटाउन के अध्यक्ष

रांची : लालपुर स्थित एक होटल में रोटरी क्लब ऑफ रांची मिडटाउन का वार्षिक पदभार ग्रहण समारोह गुरुवार को आयोजित हुआ। इसमें भूपिंदर सिंह जग्गी ने अध्यक्ष और कुणाल चौधरी ने सचिव का पद संभाला। मुख्य अतिथि, सामाजिक सुरक्षा निदेशक विजय कुमार सिन्हा ने नए सदस्यों को शपथ दिलाई और रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष जग्गी ने क्लब को सेवा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया।

नागरमल मोदी सेवा सदन 19 को लगाएगा नि:शुल्क हड्डी रोग उपचार शिविर

रांची : नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची की ओर से आगामी 19 जुलाई (रविवार) को कडरू स्थित सरना टोली सरना स्थल में जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क हड्डी रोग उपचार शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया जाएगा, जिसमें हड्डी एवं जोड़ों से संबंधित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा। शिविर के संयोजक आलोक तुलस्यान ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हड्डी एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटनों की समस्या और अन्य अस्थि रोगों से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह का लाभ मिलेगा। संयोजक ने बताया कि शिविर में मरीजों को आवश्यक दवाएं भी पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा उपलब्धता के आधार पर जरूरतमंद मरीजों को कमर की बेल्ट, गर्दन की कॉलर (नेक कॉलर) तथा घुटने का कैप (नी कैप) भी नि:शुल्क वितरित किया जाएगा।

ट्रैफिक रूल तोड़ने पर सख्ती, 15 दिनों में 63,047 वाहनों के चालान कटे

रांची : रांची में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्ती बरत रही है। इसी कड़ी में बुधवार को शहर के सभी यातायात थाना क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। एसएसपी के निर्देश पर ट्रैफिक एसपी के नेतृत्व में दोपहिया, चारपहिया, ऑटो और टोटो समेत विभिन्न वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान मोटरयान अधिनियम के तहत नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2,510 चालान काटे गए। सबसे अधिक कार्रवाई नो पार्किंग और सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़ा करने के मामलों में हुई, जिसमें 1,721 चालान जारी किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 401, रेड लाइट जंप करने पर 102, नो एंट्री में प्रवेश करने पर 68, ओवरस्पीडिंग के 40 और बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने पर 29 चालान काटे गए। बता दें कि 1 जुलाई से 15 जुलाई तक रांची शहर में मोटरयान अधिनियम के तहत 63,047 चालान काटे गए हैं। रांची ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करें और ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन का रजिस्ट्रेशन, बीमा व अन्य जरूरी दस्तावेज अपने साथ रखें।

झारखंड में 50-60 प्रतिशत मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा : के. रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने तेजी से कार्य करते हुए 96.68 प्रतिशत मतदाताओं तक गणना (इन्यूमरेशन) प्रपत्र पहुंचा दिए हैं। अब तक 50.06 प्रतिशत भरे हुए प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी पूरा कर लिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 के सहयोग से बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कुछ मतदाताओं, जिनमें एएसडीडीएफ सूची के मतदाता भी शामिल हो सकते हैं, तक अभी प्रपत्र नहीं पहुंच सके हैं। वहीं बड़ी संख्या में मतदाता अपने भरे हुए प्रपत्र बीएलओ को वापस जमा कर रहे हैं, जिनका तेजी से डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। के. रवि कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता उत्साहपूर्वक अपने गणना प्रपत्र जमा कर रहे हैं, लेकिन शहरी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम भागीदारी चिंता का विषय है। विशेष रूप से युवा मतदाताओं की कम सहभागिता को अभियान के सामने एक बड़ी चुनौती बताया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्रों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के सुझाव पर 18 और 20 जुलाई को सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में लगातार पलायन, घर-घर सत्यापन के दौरान मतदाताओं का उपलब्ध नहीं होना तथा शिक्षा और रोजगार के लिए युवाओं के दूसरे स्थानों पर रहने जैसी परिस्थितियों के कारण मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में अपेक्षित भागीदारी नहीं मिल पा रही है। इन कमियों को दूर करने के उद्देश्य से दो दिवसीय विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यह विशेष शिविर 18 और 20 जुलाई को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सभी शहरी मतदान केंद्रों पर आयोजित होंगे। जिन शहरी मतदाताओं ने अभी तक अपना एसआईआर गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं किया है या भरकर जमा नहीं किया है, वे शिविर में पहुंचकर प्रपत्र प्राप्त कर उसे भरकर वहीं जमा कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं ने अपना गणना प्रपत्र पहले ही बीएलओ के पास जमा कर दिया है अथवा ऑनलाइन आवेदन कर चुके हैं, उन्हें शिविर में आने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन व्यक्तियों ने विदेशी नागरिकता ग्रहण कर ली है अथवा भारतीय नागरिकता त्याग दी है, उन्हें बिना भरे और बिना हस्ताक्षर किए अपना गणना प्रपत्र तत्काल बीएलओ को वापस कर देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि गणना प्रपत्र में गलत घोषणा कर हस्ताक्षर करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी पात्र नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सकेगी।

खनिज संपदा के बावजूद झारखंड विकास से वंचित : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर खनन क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड नीतिगत विफलता, प्रशासनिक सुस्ती और पारदर्शिता के अभाव के कारण अपनी वास्तविक क्षमता से काफी पीछे रह गया है। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 40 प्रतिशत खनिज संसाधनों का मालिक होने के बावजूद राज्य खनन राजस्व, उत्पादन, रोजगार और नई खदानों की नीलामी के मामले में पिछड़ रहा है, जिससे युवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में मरांडी ने कहा कि हाल ही में चाईबासा के सारंडा क्षेत्र के दौरे के दौरान वहां की स्थिति अत्यंत चिंताजनक मिली। कई खदानों की लीज समाप्त होने के बाद उनका नवीनीकरण या पुनः नीलामी नहीं होने से वे वर्षों से बंद पड़ी हैं। इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ा है, स्थानीय युवाओं का पलायन बढ़ा है और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था ठहराव का शिकार हो गई है। उन्होंने कहा कि कभी आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा जामदा बाजार आज मंदी की मार झेल रहा है। आय में गिरावट और क्रय शक्ति कम होने से छोटे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। बंद खदानों का असर केवल मजदूरों तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवहन, होटल, दुकानों और छोटे उद्योगों पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि जामदा से महज 20 किलोमीटर दूर ओडिशा का बड़बिल क्षेत्र समय पर खदानों की नीलामी, उत्पादन और रोजगार वृद्धि का उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह अंतर संसाधनों का नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक क्षमता का है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली सिल्ली की ऐतिहासिक रथ यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली राजबाड़ी से गुरुवार को ऐतिहासिक रथ यात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। पुजारी द्वारा विधि-विधान से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की पूजा-अर्चना की गई। राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव के पुत्र रुद्राक्ष सिंह देव ने भगवान के विग्रह को रथ में चढ़ाया। पूजा के बाद मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच रथ को खींचकर यात्रा शुरू की गई। रथ यात्रा राजबाड़ी परिसर से निकलकर थाना चौक मौसीबाड़ी तक पहुंची। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया। जगह-जगह भक्तों ने प्रसाद वितरित किया। रथ खींचने को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। रस्सी पकड़ने के लिए लोगों में होड़ लग गई। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़े उत्साह के साथ रथ खींचा। इस दौरान 'जय जगन्नाथ' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। रथ यात्रा के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ने कहा कि सिल्ली की रथ यात्रा की परंपरा कई दशकों से चली आ रही है। यह आस्था और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ सभी के कष्ट दूर करें और क्षेत्र में सुख-शांति बनी रहे। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाई गई भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित सभी जनों को भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के क्वायर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मधुर एवं भक्तिमय प्रार्थना से हुआ, जिसने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्तिरस से ओत-प्रोत कर दिया। इसके उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ के रथ का पारंपरिक एवं विधिवत खींचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया गया। यह प्रतीकात्मक आयोजन एकता, आस्था, समरसता तथा सत्य एवं धर्म की विजय के शाश्वत संदेश का सजीव प्रतीक बना। समारोह का एक अन्य प्रमुख आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी भक्तिमय नृत्य रहा। उनकी भावपूर्ण एवं आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का अद्भुत समावेश किया। कार्यक्रम को और अधिक जीवंत एवं भावपूर्ण बनाते हुए प्री-प्राइमरी के नन्हे विद्यार्थियों ने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा का मनोहारी स्वरूप धारण कर आकर्षक झाँकी प्रस्तुत की। अपनी मासूम अभिव्यक्ति, सहज अभिनय एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने भगवान की दिव्य रथयात्रा का अत्यंत सुंदर एवं हृदयस्पर्शी चित्र प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रथयात्रा के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर एक ज्ञानवर्धक भाषण भी प्रस्तुत किया गया। वक्ता ने भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपरा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह महापर्व प्रेम, समानता, सेवा, समर्पण एवं मानवता का संदेश देता है तथा समाज में एकता और सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा प्रदान करता है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनीषा शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को रथयात्रा के पावन संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा हमें विनम्रता, करुणा, प्रेम, सह-अस्तित्व एवं समरसता का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देती है।

झारखंड के कई जिलों में 17 और 18 जुलाई को भारी बारिश की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज बदला रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 17 और 18 जुलाई को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही 20 जुलाई तक राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 जुलाई को राज्य के दक्षिणी और मध्यवर्ती भाग के खूंटी और गुमला जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। वहीं 18 जुलाई को मध्यवर्ती एवं उत्तर-पश्चिम से सटे लातेहार और चतरा जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

'भारत टेक्स 2026' में झारखंड के बांस उत्पादों ने बटोरी सुर्खियां, स्टील बोतल-मग बने आकर्षण का केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित 'भारत टेक्स 2026' में झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित बांस से निर्मित स्टील बोतल और मग देश-विदेश से आए आगंतुकों, खरीदारों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पारंपरिक बांस शिल्प को आधुनिक तकनीक और उपयोगिता से जोड़कर तैयार किए गए ये उत्पाद पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा स्थित अनजनेया बांस क्लस्टर द्वारा निर्मित इन उत्पादों ने अपनी गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन और उपयोगिता के कारण लोगों का ध्यान खींचा है। बांस और स्टेनलेस स्टील से बनी बोतल गर्म एवं ठंडे पेय का तापमान 12 से 14 घंटे तक बनाए रखने में सक्षम है, जबकि बांस, स्टेनलेस स्टील और फूड-ग्रेड प्लास्टिक (ढक्कन) से तैयार मग 3 से 4 घंटे तक पेय का तापमान सुरक्षित रखता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'भारत टेक्स 2026' जैसे वैश्विक मंच पर झारखंड 'लोकल टू ग्लोबल' की अपनी अवधारणा को साकार कर रहा है। तसर सिल्क, जीआई

टैग उत्पादों, हस्तकरघा, हस्तशिल्प और बांस आधारित नवाचारों के माध्यम से राज्य वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। अनजनेया बांस क्लस्टर जैसे उद्यम स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने के साथ-साथ झारखंड के उत्पादों को नए निर्यात अवसरों से भी जोड़ रहे हैं। अनजनेया बांस क्लस्टर आधुनिक डिजाइन और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से झारखंड की समृद्ध बांस शिल्प परंपरा को नई पहचान दे रहा है। क्लस्टर बांस से सजावटी उत्पाद, फर्नीचर और लाइफस्टाइल उत्पादों का निर्माण करता है। साथ ही लेजर कटिंग, लेजर एनग्रेविंग, सीएनसी राउटिंग तथा कस्टमाइज्ड डिजाइन समाधान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। 'भारत टेक्स 2026' में 130 से अधिक देशों के 6,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और 1.3 लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुकों की भागीदारी झारखंड के एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रही है। इससे राज्य के हस्तशिल्प आधारित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने के साथ-साथ निर्यात और निवेश की नई संभावनाओं को भी बल मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से मिस यूनिवर्स झारखण्ड-2026 खिताब की विजेता दीपाली रिया ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मिस यूनिवर्स झारखण्ड-2026 खिताब की विजेता प्रतिभागी दीपाली रिया ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दीपाली रिया को अपनी ओर से हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के समक्ष दीपाली रिया ने विगत 29 मार्च को रांची में आयोजित मिस यूनिवर्स झारखण्ड-2026 प्रतियोगिता का खिताब जीतने तक के सफर एवं अनुभवों को साझा किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए पिछले एक वर्ष से अधिक समय से उन्होंने निरंतर कड़ी मेहनत की। इस दौरान रैंप वॉक, ग्रूमिंग क्लास और इंटरव्यू की विशेष तैयारी पूरी ईमानदारी और लगन के साथ की थी। वे बोकारो की निवासी हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने दीपाली रिया की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि मिस यूनिवर्स झारखण्ड-2026 का ताज अपने नाम कर दीपाली रिया ने झारखंड के साथ-साथ पूरे बोकारो जिला का मान बढ़ाया है। इनकी सफलता आने वाले समय में अन्य प्रतिभागियों को प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रतिभा का धनी राज्य रहा है, यहां के प्रतिभागियों ने कई मौकों पर राज्य का गौरव बढ़ाया है।

रथ यात्रा के अवसर पर हरवाडीह मंदिर परिसर में हुआ पौधरोपण

सिल्ली : रथ यात्रा के शुभ अवसर पर गुरुवार के दिन वृक्ष रोपण समिति सिल्ली की ओर से हरवाडीह मंदिर परिसर में पौधरोपण का कार्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति के द्वारा बताया गया कि पौधरोपण से पर्यावरण संतुलित रहता है एवं पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष महावीर महतो, श्यामसुंदर महतो, संजय दत्ता, करम सिंह मुंडा, नागेंद्र, राजेश, अजीत, बाबूलाल, अघनु, चंदन एवं वीरेंद्र समेत अन्य लोग शामिल रहे।

भारत ने इंडोनेशिया के साथ मिलकर स्टेट ऑफ मलाका पर कार्य शुरू किया : जेपी पांडेय

रांची : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता सह झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री के इंडोनेशिया के ऐतिहासिक दौरे पर चर्चा के दौरान कहा कि जिस प्रकार ईरान ने स्टेट ऑफ हॉरमुर्ज को बंद कर आधी दुनिया को पेट्रोलियम और गैस के लिए तरसा दिया है, जिसके कारण अमेरिका को जंग लड़नी पड़ रही है और पेट्रोलियम और गैस के मुख्य लगातार आसमान छूने लगे है,भारत ने कूटनीतिक रास्ते को अपनाते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने अचानक इंडोनेशिया का दौरा कर भारत का स्टेट ऑफ मलाका बनाने के लिए पहल शुरू कर दी है जिसके कारण पूरी दुनिया को चौका दिया है,यदि पीएम मोदी इस कार्य में कामयाब हुए तो स्टेट ऑफ मलाका भारत का समुद्री मार्ग होगा, जिससे प्रति प्रति वर्ष लगभग 2800 अरब का पेट्रोलियम और गैस सहित कई मालवाहक समुद्री जहाज गुजरते हैं,इस रास्ते को मजबूत कर दक्षिण पूर्व एशिया स्थिति को मजबूत किया जा सकता है,यदि स्टेट ऑफ मलका सफल होता है तो आधी दुनिया को प्रभावित करने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा,जिस पर भारत ने कार्य करना शुरू कर दिया है,भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के इस चाल ने चीन सहित अमेरिका को भी चौका दिया है, इस विदेश नीति के कारण भारत को रुलाने वाले देश अब स्वयं ही रोएंगे,यदि भारत का स्टेट ऑफ मलाका बनाने में कामयाब रहा तो मोदी का यह खेल पूरी दुनिया को चौका देगा,चेन्नई से आगे बढ़ने पर दक्षिण पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक का समुद्री रास्ते पर जलडमरू मध्य तक पहुंचता है,जो दक्षिण चीन सागर को जोड़ता है,हजारों वर्ष पहले जलडमरू मध्य मार्ग से ही स्टेट ऑफ मलका का मार्ग से ही व्यापार होता था,इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए स्टेट ऑफ मलाका पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी जी ने कार्य करना शुरू कर दिया है,दुनिया के लोग जग 30 प्रतिशत निर्यात इसी स्टेट ऑफ मलका जलडमरू मार्ग से होता है,जिसे हम निर्यात का लाइफ लाइन की संज्ञा देते है,भविष्य में भारत को आधी दुनिया को प्रभावित करने शक्ति इसी स्टेट ऑफ मलका से प्राप्त होगी,भारत ने अपना स्टेट ऑफ मलाका पर इंडोनेशिया के माध्यम से कार्य कर पूरी दुनिया का कब्र खोद दिया है,मोदी जी के इस कामयाबी से भारत पूरी दुनिया पर हावी हो जाएगा और भारत कभी भी पूरी दुनिया के व्यापार को प्रभावित करने में कामयाब होगा।

विवेकानंद विद्या मंदिर के बाहर मौन प्रदर्शन प्रबंधन ने लगाया छवि धूमिल करने का आरोप

रांची : एचईसी परिसर स्थित विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल (सेक्टर टू) के समक्ष विद्यालय प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने गुरुवार को मौन प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले अपने हाथों में प्रबंधन विरोधी नारे लिखे हुए तख्तियां लिए खड़े थे। विद्यालय प्रबंधन के मुताबिक जो लोग मौन प्रदर्शन में शामिल थे, उनमें एक भी विवेकानंद विद्या मंदिर में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक नहीं थे। मौन प्रदर्शन में खड़े जिन लोगों के हाथों में तख्तियां थीं, उनमें कमलेश सिंह, ब्रजेश सिंह (एक ठेकेदार राजेश सिंह के भाई), बिरसा चौक-हटिया स्टेशन रोड स्थित एक मेडिकल शॉप (मुन्ना मेडिकल हॉल) के संचालक, सहित अन्य लोग शामिल थे। अब सवाल यह उठता है कि विवेकानंद विद्या मंदिर प्रबंधन के विरुद्ध मनमानी का आरोप लगाने वाले वास्तव में स्कूल के अभिभावक नहीं थे, तो फिर कुछ लोगों द्वारा विद्यालय की छवि बेवजह खराब करने की कोशिश किसके इशारे पर और क्यों की गई? बहरहाल, इसका जवाब तो विद्यालय प्रबंधन और मौन प्रदर्शन में शामिल लोग ही दे सकते हैं। इस संदर्भ में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अमिताभ लाहा द्वारा जारी किए गए एक पत्र का अवलोकन करें। लाहा ने एक दिन पूर्व (15 जुलाई) बुधवार को एक सूचना जारी कर अभिभावकों को आगाह किया कि कुछ असामाजिक तत्व विद्यालय विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं और इसे लेकर विद्यालय के समक्ष मौन प्रदर्शन करने के लिए एक संदेश संप्रेषित किया गया है। लाहा ने स्पष्ट उल्लेख किया कि विद्यालय प्रबंधन कोई मनमानी नहीं कर रहा है। विद्यालय सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं बरती जा रही है। कुछ मुट्ठी भर लोग अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए विद्यालय की छवि बिगाड़ने पर आमादा हैं।

पतरातू डैम में बना फ्लोटिंग रेस्टोरेंट और म्यूजिकल फाउंटेन, मंत्री ने किया उदघाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पर्यटन के क्षेत्र में पतरातू पूरे झारखंड का दिल माना जाता है। पर्यटन विभाग ने गुरुवार को पतरातू में दो बड़ी योजनाओं का उद्घाटन कर पर्यटकों को सौगात दी है। पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने गुरुवार को पतरातू पहुंचे और यहां म्यूजिकल फाउंटेन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों को यह सौगात दी गई है। म्यूजिकल फाउंटेन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में 50 मिनट तक पर्यटक राइड कर सकते हैं। मयूराक्षी और कोयल नाम से बनाए गए फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में राइड दौरान उन्हें स्नैक्स भी उपलब्ध कराया जाएगा। पतरातू झील की खूबसूरती का लुत्फ पर्यटक उठाएंगे। दिन में चलने वाला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट यहां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। पर्यटन मंत्री संदीप कुमार सोनू ने बताया कि दिन में झील का सैर सपाटा करने के बाद रात में म्यूजिकल फाउंटेन चार चांद लगाएगा। पर्यटक यहां दिन भर होने वाली गतिविधियों में शामिल होते हैं, लेकिन रात में उनके मनोरंजन के लिए कुछ भी नहीं होता। यह बेहद आकर्षक साबित होगा। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है। राज्य सरकार की ओर से पर्यटन स्थलों के विकास एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। पतरातू डैम झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और यहां विकसित की जा रही आधुनिक सुविधाओं से पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने कहा कि पर्यटन के विकास से न केवल राज्य की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। पतरातू डैम परिसर में विकसित की गई इन नई सुविधाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम में पहुंची बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि कई राज्यों में म्यूजिकल फाउंटेन उन्होंने देखा है। पतरातू डैम में इसे लगाने के लिए उन्होंने भी पहल की थी। आज उनके गठबंधन की सरकार ने पर्यटकों को यह सौगात दी है। उन्होंने कहा कि पतरातू में सिर्फ झारखंड से ही नहीं बल्कि दूसरे प्रदेशों से भी लोग आकर यहां की झील और बोटिंग का मजा लेते हैं। म्यूजिकल फाउंटेन उन्हें एक अलग ही आनंद देगा। कार्यक्रम में पहुंचे बड़का गांव विधायक रोशन चौधरी ने म्यूजिकल फाउंटेन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के उद्घाटन की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्री का यह कार्य काफी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि डैम के किनारे काफी जगह है, जहां और भी विकास के कई कार्य हो सकते हैं। इसके अलावा डैम के आसपास रियाडा की जमीन पर स्थापित फैक्ट्री पतरातु की खूबसूरत वादियों में प्रदूषण फैला रहे हैं। उसपर भी पर्यटन विभाग को ध्यान देना चाहिए।

एक नजर

सतगावां में दो वाहनों से 247 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, चार गिरफ्तार

कोडरमा : जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सतगावां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वाहनों से 247 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस मामले में चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 15 जुलाई को सतगावां थाना प्रभारी के नेतृत्व में घोड़सीमर चेक पोस्ट पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बिहार की ओर जा रहे एक स्कॉर्पियो (बीआर 01पीबी 9361) और एक सिल्वर रंग की सफारी (बीआर 01पीजी 2122) को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देख दोनों वाहनों के चालक भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों वाहनों को पकड़ लिया। वाहनों की तलाशी के दौरान सफारी वाहन की पिछली सीट के नीचे विशेष रूप से बनाए गए बॉक्स से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब में ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की (180 एमएल) के 750 पाउच, ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की (180 एमएल) की 130 प्लास्टिक बोतलें, रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की (750 एमएल) की 105 बोतलें, ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की (750 एमएल) की 14 बोतलें तथा हेवड्र्स 5000 प्रीमियम स्ट्रॉन्ग बीयर (500 एमएल) के 60 कैन शामिल हैं।

कैच द रेन अभियान में क्लोरोफिल स्कूल बना मिसाल, नगर परिषद ने की सराहना

झुमरीतिलैया : भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के कैच द रेन-2026 अभियान के तहत नगर परिषद की टीम ने विभिन्न संस्थानों में वर्षा जल संचयन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान क्लोरोफिल स्कूल में वाटर हार्वेस्टिंग की सुव्यवस्थित व्यवस्था, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनाई गई पहल की टीम ने विशेष सराहना की।नगर परिषद के सिटी मैनेजर रणधीर कुमार वर्मा ने कहा कि क्लोरोफिल स्कूल ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित कर अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने विद्यालय के निदेशक अजय अग्रवाल से प्रणाली के निर्माण और संचालन की जानकारी भी प्राप्त की। क्लोरोफिल स्कूल शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी अपनी अलग पहचान रखता है। छोटे बच्चों के लिए यह विद्यालय बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराता है और यहां से शिक्षा प्राप्त कर कई विद्यार्थी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके हैं। नगर परिषद ने सभी नागरिकों और संस्थानों से वर्षा जल संचयन प्रणाली अपनाकर कैच द रेनझ्रजहां गिरे, जब गिरे, तब संजोएं अभियान को सफल बनाने की अपील की।

ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत

लातेहार : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के रांची-लातेहार मुख्य मार्ग एनएच-75 पर शिव टोली के समीप गुरुवार को ट्रक और बाइक में सीधी टक्कर हो गई। इस घटना में बाइक पर सवार दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान टिकू भुइयां ,खलारी (रांची) के रूप में हुई है। दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार डालटनगंज से रांची की ओर 407 ट्रक जा रहा था। वही सामने से मोटरसाइकिल सवार दो युवक आ रहे थे ।इसी दौरान अचानक अनियंत्रित होकर दोनों में भीषण टक्कर हो गई। घटना में दोनों युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, वहीं ट्रक भी पलट गया।

महिला संगठन के निर्माण से समाज हित के कार्य में तेजी आएगी : रामलखन सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उतरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ की एक समीक्षा बैठक मरकच्चो स्थित उत्तरी पंचायत भवन में महासंघ के अध्यक्ष रामलखन सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में पिछले पांच जुलाई को हुई कार्यसमिति की बैठक की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रामलखन सिंह ने कहा कि कार्यसमिति की बैठक में सभी प्रक्षेत्रों से आये पदाधिकारियों ने अपनी अपनी बातों को रखा। कुछ त्रुटियां और कमियां भी सामने आईं जिसे सभी के सहयोग से दूर कर लिया जाएगा। जनभावना को देखते हुए बहुत जल्द ही उत्तरी छोटानागपुर महिला संगठन का निर्माण भी किया जायेगा। जिससे समाज में तीव्र गति से कार्य हो सके। बैठक में कामाख्या नारायण सिंह, रामचंद्र सिंह, राजेन्द्र सिंह और नारायण सिंह ने कहा कि समाज का यह जो स्वरुप आज दिख रहा है वह लगभग तीस वर्षों के अथक मेहनत का परिणाम है, जिसको बनाने में समाज के कई बुजुर्ग लोगों ने अपना किमती समय दिया था। इसे आगे बढ़ाना है न कि अपने कार्यों और बातों से इसकी छवि को धुमिल करना। बिजय सिंह, नागेश्वर सिंह, प्रदीप सिंह, रंजीत सिंह, प्रो राजेश सिंह और दिनेश सिंह ने कहा कि आज हमारे समाज में युवाओं को जागरूक करने की आवश्यकता है। सरकारी योजनाओं या लाभ के लिए, शिक्षा के लिए हम सब युवाओं को सहयोग करें । उन्हें कोई अड़चन आये तो उसे दुर करें। आलोक सिंह, अशोक सिंह, बीरेंद्र सिंह , शैलेन्द्र सिंह,मदन सिंह और बिजय सिंह ने कहा कि सभी जोन के पदाधिकारी निष्ठापूर्वक समाज में कार्य करें। सभी जोनों में आपस में ही बेहतर बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए । बैठक में कोडरमा स्थित क्षत्रिय धर्मशाला को दोमंजिला बनाने पर भी चर्चा हुई। यह भी कहा गया कि हम सब एक रहें और कहीं भी कोई परेशानी होती है तो हम सब जाकर उनकी परेशानी को दूर करने का प्रयास करेंगे। बैठक में संचालन महामंत्री शिवलाल सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मुखिया रणजीत सिंह ने किया।

फुटलहिया गांव में लहूलुहान हालत में मिला व्यक्ति, पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के डगरनवां पंचायत अंतर्गत फुटलहिया गांव में गुरुवार को एक व्यक्ति को लहूलुहान अवस्था में घर से बरामद किया गया। घायल की पहचान मिट्ठू मुर्मू, 47 वर्ष, पिता मंझलू मुर्मू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी के निर्देश पर नवलशाही थाना के एसआई शांति भूषण मौके पर पहुंचे। वहां एक घर में शराब के नशे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस ने बिना देर किए उसे अपने पुलिस वाहन से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसआई शांति भूषण ने बताया कि घटना स्थल पर केवल एक ही घर है और उसी में घायल था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद के कारण मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर बयान दर्ज किए हैं। घायल की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की टीम निगरानी कर रही है। थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच पुलिस कर रही है और आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारवाड़ी युवा मंच ने अस्पताल और अनाथ आश्रम में बांटी खुशियां, जरूरतमंदों को दी आवश्यक सामग्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : सृजन से सम्मान तक के संकल्प के साथ झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच अपनी स्थापना का 25वां साल (रजत जयंती वर्ष) मना रहा है। इस ऐतिहासिक उपलक्ष्य को सेवा कार्यों से यादगार बनाते हुए मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा ने एक अनूठी पहल की है। मंच द्वारा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबड़ा के सम्मान में जीवन ज्योति मेंटल हॉस्पिटल और जीवोदया अनाथ आश्रम में भव्य जन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजों को दी दैनिक उपयोग की वस्तुएं कार्यक्रम के दौरान जीवन ज्योति मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती मानसिक रूप से अस्वस्थ भाई-बहनों की छोटी-बड़ी जरूरतों का ख्याल रखा गया। मंच के सदस्यों ने सभी मरीजों के बीच दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री का वितरण किया। इसमें नारियल तेल, नहाने का साबुन, सर्फ एक्सेल डिटर्जेंट, शैंपू, टूथपेस्ट और पौष्टिक फूड पैकेट शामिल थे। अपनों से दूर अस्पताल में रह रहे इन मरीजों के बीच जब यह सामग्री पहुंची, तो उनके चेहरों पर एक अनमोल मुस्कान बिखर गई। इसके साथ ही जीवोदया अनाथ आश्रम की बच्चियों के बीच भी खुशियां बांटी गईं। मंच की ओर से अनाथ बच्चियों को नए वस्त्र, सेनेटरी पैड, कॉपी-किताबें और स्वादिष्ट नाश्ता उपलब्ध कराया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने वाले इस प्रयास की हर तरफ सराहना हो रही है। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने इस अवसर पर कहा, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाना ही मारवाड़ी युवा मंच का मूल उद्देश्य है। ऐसे लोगों को सम्मान और संबल देकर हम उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वहीं, सचिव अतुल खेतान ने जानकारी देते हुए बताया कि रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत जन सेवा कार्यक्रम की कड़ी में यह चौथा बड़ा सेवा कार्य था।इससे पहले गर्मी के मौसम में 'अमृतधारा' परियोजना के तहत जगह-जगह प्याऊ लगाकर लोगों को शीतल जल और शरबत पिलाया गया था। साथ ही होली फैमिली हॉस्पिटल में नवजात बच्चियों को गिफ्ट पैक देकर समाज को कन्या भ्रूण संरक्षण के प्रति जागरूक और प्रेरित किया गया था। कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करके भी हम किसी के जीवन में बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। अस्पताल प्रबंधन ने भी मारवाड़ी युवा मंच के इस मानवीय और संवेदनशील प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की।

क्लस्टर सिस्टम एवं सीटों में कटौती के विरोध में अभाविप ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

कोडरमा : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप), कोडरमा ने झारखंड सरकार के प्रस्तावित क्लस्टर सिस्टम, जे.जे. कॉलेज, झुमरी तिलैया में यूजी सीटों में कटौती तथा पीजी विषयों को बंद किए जाने के विरोध में विधायक डॉ. नीरा यादव को ज्ञापन सौंपा। अभाविप ने मांग की कि क्लस्टर सिस्टम तत्काल वापस लिया जाए, जे.जे. कॉलेज सहित सभी महाविद्यालयों में यूजी की सीटें पूर्ववत 500 की जाएँ, बंद किए गए सभी पीजी विषयों में पुन: नामांकन प्रारंभ किया जाए तथा विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप सीटों में वृद्धि की जाए। जिला संयोजक अतुल आनंद ने कहा कि सीटों में कटौती एवं पीजी विषयों को बंद करने से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा। वहीं विनीत सिंह ने विधायक से छात्रहित में इस गंभीर विषय को झारखंड सरकार एवं संबंधित विश्वविद्यालय के समक्ष प्रमुखता से उठाकर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

जेजे कॉलेज बचाओ आंदोलन तेज, सर्वदलीय बैठक में सरकार और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ हुंकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : स्थानीय जेजे कॉलेज के गौरवशाली इतिहास, अस्तित्व और छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक भविष्य को बचाने के लिए चल रहा आंदोलन अब और तेज हो गया है। 16 जुलाई को जेजे कॉलेज परिसर में जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के तमाम प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं, सामाजिक संगठनों, प्रबुद्ध बुद्धिजीवियों और युवा छात्र नेताओं ने एक मंच पर आकर कॉलेज के अस्तित्व की रक्षा के लिए हुंकार भरी। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेश भारती ने की, जबकि संचालन समिति के सचिव देवेंद्र कुमार द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक सुर में कॉलेज की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसके विश्वविद्यालय बदलने के निर्णय को यथावत रखने तथा बुनियादी अधिकारों की बहाली के लिए सामूहिक रूप से बड़े आंदोलन का शंखनाद करने का आह्वान किया। साथ ही सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। नगर पंचायत,कोडरमा के अध्यक्ष साजिद हुसैन व नगर पंचायत डोमचांच के अध्यक्षउमेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने छात्र विरोधी निर्णय लिया है, जिसे अविलंब वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से हजारों छात्र प्रभावित होंगे और छात्र समुदाय सरकार के विरुद्ध खड़े हो जाएंगे,क्यो की जेजे कॉलेज विश्वविद्यालय बनने की अहर्ता रखता है। लेकिन सरकार ने इस कॉलेज को वीबीयू से हटाकर जेसी बोस यूनिवर्सिटी से जोड़ दिया है।जो किसी भी तरीके से कोडरमा के छात्र छात्राओं के पक्ष में नही है, इस निर्णय से कोडरमा जिले के छात्र-युवा और अभिभावक सरकार के खिलाफ उठ खड़े हो गए है। उन्होंने जेजे कॉलेज बचाओ आंदोलन का पूर्ण रूप से समर्थन करते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ किसी एक संगठन या कॉलेज की नहीं है, बल्कि यह कोडरमा के आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। यदि सरकार ने हमारी मांगों को जल्द से जल्द नहीं माना, तो यह आंदोलन सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहेगा। हम बहुत जल्द सड़क पर उतरकर उग्र संघर्ष करने को बाध्य होंगे। जब तक जे. जे. कॉलेज को उसका हक नहीं मिल जाता, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि कॉलेज को बचाने के लिए हर स्तर पर जाकर राजनीतिक और सामाजिक दबाव बनाया जाएगा, ताकि छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके। बैठक में उपस्थित नेताओं ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर समिति का साथ देने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

जयनगर में भाकपा माले प्रखंड कमेटी की बैठक संपन्न

कोडरमा : जयनगर प्रखंड अंतर्गत मधवाटांड गांव में भाकपा माले प्रखंड कमेटी की बैठक कॉमरेड चांद अख्तर के आवास पर प्रखंड सचिव मुन्ना यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत किसान महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रेम सिंह गहलावत, बिहार राज्य एक्टू के राज्य महासचिव आर.एन. ठाकुर तथा चतरा जिला कमेटी सदस्य सानू भारती के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की गई। बैठक में पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा 30 जुलाई तक पार्टी सदस्यों के नवीनीकरण का कार्य पूरा करने का निर्णय लिया गया। साथ ही नए सदस्यों को जोड़ने के लिए भाकपा माले, किसान महासभा एवं झामस का सदस्यता अभियान चलाने पर सहमति बनी। निर्णय लिया गया कि 18 जुलाई को सुबह 11 बजे झुमरी तिलैया में किसान महासभा की जिला स्तरीय बैठक आयोजित होगी, जिसमें धनवार के पूर्व विधायक एवं किसान महासभा के राज्य सचिव राजकुमार यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक के बाद जनहित एवं ज्वलंत मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करने की रणनीति भी बनाई गई। जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम ने कहा कि जब लाल झंडा मजबूत होगा, तभी शोषितों और पीड़ितों को न्याय मिलेगा। आज देश में अन्याय और भ्रष्टाचार चरम पर है और हमारी पार्टी का जन्म ही संघर्ष की राह से हुआ है। वहीं प्रखंड सचिव मुन्ना यादव ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों पर जन आंदोलनों के माध्यम से लगाम लगाने की जरूरत है। बैठक में किसान महासभा के जिला सचिव अशोक यादव, शंभूनाथ वर्मा, राजेंद्र यादव, विजय ठाकुर, खरियोडीह पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद यादव, मशरूल अंसारी, शारदा देवी, जागेश्वर साव, रामचंद्र साव, पूर्वी जोन लोकल कमेटी सचिव चांद अख्तर, असगर अंसारी, हकीम खान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीएस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीपीएस ओलंपियाड में लहराया परचम

डोमचांच : जी.एस. पब्लिक स्कूल, डोमचांच के विद्यार्थियों ने सी.पी.एस. ओलंपियाड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय में कक्षा 1 से 9 तक के छात्रों ने गणित, विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों में भाग लिया। सी.पी.एस. द्वारा घोषित परिणाम में विद्यालय के अनेक छात्र द्वितीय चरण के लिए चयनित हुए हैं। इस प्रतियोगिता में मानवी राज एवं चांदनी कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय चरण के लिए चयनित होकर अपनी जगह पक्की की है। अब इन दोनों छात्राओं की लाइव परीक्षा दिल्ली स्थित रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित होगी। विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन सफल छात्रों के सराहनीय प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र, हाथ की घड़ी, पेन एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक नितेश कुमार ने सी.पी.एस. के अध्यक्ष संजय सिंह, निदेशक कुलदीप मौर्य एवं जिला समन्वयक डी.पी. यादव को इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और शैक्षणिक रुचि बढ़ती है।

दिव्यांग बच्चों के लिए आर्थोटिस मेजरमेंट कैंप आयोजित, 14 बच्चों का हुआ मापीकरण

कोडरमा : गुरुवार को होली फैमिली हॉस्पिटल सेवा सदन सभागार में संस्था जन विकास समिति, वाराणसी एवं के.एफ.सी.एस. कोडरमा के संयुक्त तत्वावधान में आर्थोटिस मेजरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिस्टर लीला जोश ने की। शिविर में जन विकास समिति, वाराणसी के प्रोस्थेटिस्ट एवं आर्थेसिस्ट धीरेन्द्र कुमार सिंह तथा ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट मिस शेरिन ने 14 दिव्यांग बच्चों का मापीकरण एवं चिकित्सकीय परीक्षण किया। जांच के दौरान बच्चों की आवश्यकता के अनुसार केएएफओ, एएफओ सहित अन्य सहायक उपकरणों के लिए माप लिया गया। ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट मिस शेरिन ने बच्चों की जांच के बाद उनके दिव्यांगता के अनुरूप सहायक उपकरण, प्लास्टर एवं नियमित थेरेपी की आवश्यकता पर अभिभावकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं, उनके कारण, रोकथाम के उपाय तथा समय पर उपचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शिविर में अनुभा कुमारी, सृष्टि कुमारी, सत्य प्रकाश, नैतिक राज, आरुषि कुमारी, अहिल रजा, खुशबू कुमारी, शिवम कुमार सिंह, अंजली कुमारी, दिलराज, साक्षी कुमारी, प्रियांशु कुमारी, संजना राज तथा सुधीर कुमार दास सहित कुल 14 दिव्यांग बच्चों का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर सेवा सदन के सीबीआर कार्यकर्ता जयमंगल कुमार शाही, सूरज कुमार पांडेय, रंजीत कुमार सिंह, फ्रांसीसी मुर्मू, दिलीप कुमार पांडेय, सन्नी कुमार एवं नीरा कुसुम खेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार दास ने किया।

रथ यात्रा पर स्टेशन रोड हनुमान मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

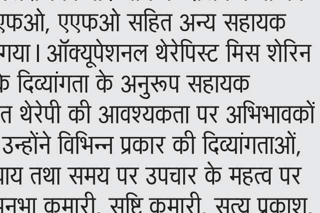

झुमरी तिलैया : पवित्र रथ यात्रा के पावन अवसर पर स्थानीय स्टेशन रोड स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। गुरुवार को मंदिर परिसर में एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण किया। ?भंडारे के शुभारंभ से पूर्व मंदिर के मुख्य पुजारी सचिदानंद पांडेय द्वारा पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय वार्ड पार्षद विशाल सिंह उर्फ नीलू ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। पूजा संपन्न होने के बाद शंखध्वनि और घंटों की गूंज के बीच भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। ?इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए वार्ड पार्षद विशाल सिंह (नीलू) ने कहा स्टेशन रोड हनुमान मंदिर में रथ यात्रा का उत्सव हमेशा से बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है। इस आयोजन की सबसे खूबसूरत बात यह है कि समाज के सभी वर्ग के लोग एकजुट होकर भगवान जगन्नाथ और संकटमोचन हनुमान जी का गुणगान करते हैं।

बरही विधानसभा के चौपारण में रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए सांसद, खींचा महाप्रभु का रथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल गुरुवार को बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर, बैजनाथ नगर सियरकोनी में आयोजित भव्य श्री रथयात्रा महामहोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलभद्र की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की तथा श्रद्धालुओं के साथ रथ की रस्सी खींचकर यात्रा को आगे बढ़ाया। कई किलोमीटर तक श्रद्धालुओं संग पदयात्रा करते हुए सांसद मनीष जायसवाल रथ यात्रा में शामिल हुए और गढ़काली स्थित मौसीबाड़ी तक पंहुचे। यहां लंगर का प्रसाद अपने हाथों से उन्होंने वितरण किया और खुद भी प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि जीटी रोड पर उमड़ी आस्था की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि समाज में धार्मिक चेतना और सनातन संस्कृति के प्रति लोगों का जुड़ाव निरंतर बढ़ रहा है। सांसद ने कहा, "वाकई हमारा देश और समाज सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। हरे कृष्ण, हरे राम, जय श्रीराम और जय जगन्नाथ के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। यह दृश्य अत्यंत मनमोहक और भावविभोर करने वाला था। उन्होंने रथयात्रा महोत्सव की सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का आशीर्वाद प्रदान करें। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को रथयात्रा की अनंतकोटि बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, रथ खींचने वाले भक्तों की लगा रहा तांता

बड़कागांव : राम जानकी मंदिर में जगन्नाथ पूजा रथ यात्रा मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। पूजा को लेकर श्रद्धालु सुबह से ही तैयारियों में जुट गए थे। मंदिर में पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान से जगरनाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की पूजा अर्चना की एवं अपने परिवार के लिए सुख व समृद्धि की कामना की। रथ पूजा को लेकर मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें दुकानदारों के द्वारा भारी संख्या में मिठाई स्टॉल लगाए गए थे। मान्यता है कि रथ पूजा पूजा की रोज मिठाई खरीदना एवं घर लाना शुभ माना जाता है। वही रथ यात्रा पूजा को लेकर शाम को भगवान जगनाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को सजी हुई रथ में बैठा कर नगर भ्रमण कराया गया। रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। राम जानकी मंदिर से रथ का भ्रमण के लिए शुभारंभ किया गया। भगवान जगन्नाथ का जयकारा लोग लगाते रहे। भगवान का रथ बड़कागांव मुख्य चौक, दैनिक बाजार, कुशवाहा मोहल्ला, सूर्य मंदिर से पुनः वापस मुख्य चौक होते हुए देर शाम हजारीबाग रोड स्थित रेंज ऑफिस प्रेम नगर मौसी बाड़ी पहुंचा। जहां श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की आरती उतार एवं पूजा अर्चना कर स्वागत कर मंदिर में प्रवेश कराया गया। भगवान अब 9 दिनों तक मौसी बाड़ी में ही रहेंगे। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह घूम घूम कर स्थल निरीक्षण करते रहे तथा इनके नेतृत्व में मंदिर एवं मेंले में पुलिस बल तैनात किए गए थे। ताकि कहीं से किसी भी श्रद्धालु को ,कोई परेशानी नहीं हो। ताकि शांति पूर्वक रथ यात्रा संपन्न हो सके। वहीं बड़कागांव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद में रथ यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं के मनोबल को बढ़ाया एवं रथ खींचकर लोगों को जगन्नाथ रथ पूजा की शुभकामनाएं दी।

जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजा पटमदा-बोड़ाम, महाप्रभु का रथ खींचने उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

पटमदा : आस्था, भक्ति और उल्लास के माहौल में गुरुवार को पटमदा, कमलपुर एवं बोड़ाम थाना क्षेत्र रथ यात्रा की रंगत में सराबोर हो गया। कमलपुर थाना क्षेत्र के दगड़ीगोड़ा स्थित श्री श्री हरि साधना आश्रम से पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। दोपहर करीब तीन बजे जैसे ही महाप्रभु का रथ आश्रम से आगे बढ़ा, पूरा इलाका "जय जगन्नाथ" के जयघोष से गूंज उठा। रथ यात्रा जब काटिन बाजार पहुंची तो श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे श्रद्धा के साथ भगवान का रथ खींचने के लिए उत्साहित नजर आए। भक्तिमय माहौल में भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच रथ यात्रा आगे बढ़ती रही। आयोजन समिति के अनुसार रथ यात्रा आश्रम से लगभग ढाई किलोमीटर दूर स्थित गोपालपुर गांव के मौसीबाड़ी तक जाएगी। इधर, पटमदा थाना क्षेत्र के कुलटांड़ स्थित श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर से भी शाम को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यहां महाप्रभु का रथ बांसगढ़ गांव स्थित मौसीबाड़ी तक ले जाया गया। रथ यात्रा के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। दगड़ीगोड़ा में अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास, डीएसपी दयानंद कुमार, अंचल निरीक्षक अजय कुमार मुंडा, कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार एवं अवर निरीक्षक पुरुषोत्तम कुमार राय सहित पुलिस बल पूरे मार्ग पर तैनात रहा। मौके पर जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो, बिंदुवाला महतो, आयोजन समिति के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद मिश्रा, बासुदेव मिश्रा, मृत्युंजय महतो, प्रदीप कुमार महतो, संदीप कुमार मिश्रा, शंभू दास, प्रेमचांद महतो, इंद्रजीत मिश्रा, श्रीमंत मिश्रा, अनंत लाल मिश्रा, आनंदमय महतो, शंभू महतो, कृपासिंधु महतो, विश्वजीत कुंभकार, अरविंद मिश्रा, निर्मल कुमार महतो, देबू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समिति के सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द का केंद्र बना रहा। क्षेत्र का सबसे पुराना बोड़ाम बाजार स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर से निकाली गई रथयात्रा बैंक ऑफ इंडिया शाखा के समीप स्थित मौसीबाड़ी पहुंची। इस दौरान वनमाली बनर्जी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

एक नजर

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

चतरा : भगवान श्री जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा गुरुवार को चतरा शहर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। पथलदास मंदिर परिसर से वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना के बाद रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे शहर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। रथयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी। यात्रा के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन किए और रथ की रस्सी खींचकर अपने परिवार, समाज, जिले तथा देश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरे मार्ग में ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष, भजन-कीर्तन और धार्मिक नारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रथयात्रा में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में भगवान के जयकारे लगाते हुए रथ के साथ चलते रहे। लोगों ने पूजा-अर्चना कर प्रसाद अर्पित किया तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक इंतजाम किए गए थे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और धार्मिक आस्था के इस महापर्व को शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया। रथयात्रा ने शहर में धार्मिक एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा का संदेश दिया।

हेरिटेज टोयोटा का बरही में फेस्टिव सेल्स काउंटर शुरू ग्राहकों को मिलेंगी खास सुविधाएं और फेस्टिव ऑफर्स

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बरही : ग्राहकों को विश्वस्तरीय बिक्री अनुभव देने के उद्देश्य से हेरिटेज टोयोटा ने बरही में अपने फेस्टिव सेल्स काउंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हेरिटेज टोयोटा के वाइस प्रेसिडेंट देबब्रत बेहरा, ग्रुप जनरल मैनेजर राहुल कुमार, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह व्यवसाई संघ के अध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने फीता काटकर फेस्टिव सेल्स काउंटर का उद्घाटन किया। हेरिटेज टोयोटा के वाइस प्रेसिडेंट देबब्रत बेहरा ने कहा कि टोयोटा हमेशा से गुणवत्ता, सुरक्षा, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और कम मेंटेनेंस के लिए जानी जाती है। बरही में नए फेस्टिव सेल्स काउंटर के माध्यम से अब क्षेत्र के ग्राहकों को टोयोटा की संपूर्ण रेंज, अत्याधुनिक तकनीक, बेहतर माइलेज और प्रीमियम आफ्टर सेल्स सर्विस एक ही जगह मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कि हर ग्राहक को टोयोटा के साथ प्रीमियम अनुभव मिले। इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मौके पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश के प्रदेश संयोजक सह वरिष्ठ व्यवसायी भरत यादव इस सेंटर का पहला ग्राहक बने। उन्होंने इनोवा क्रिस्टा खरीदा। प्रबंधन ने बताया कि नए काउंटर से बरही एवं आसपास के ग्राहकों को टोयोटा की पूरी वाहन श्रृंखला, आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स, आसान फाइनेंस, टेस्ट ड्राइव और विशेषज्ञ बिक्री परामर्श जैसी सुविधाएं अब और करीब मिलेंगी। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों तक विश्वसनीय, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाना है। यह काउंटर बरही के लिए टोयोटा की आधुनिक सेवाओं का नया केंद्र बनेगा। हेरिटेज टोयोटा ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे नए फेस्टिव सेल्स काउंटर पर आकर टोयोटा की अत्याधुनिक कारों का अनुभव लें और विशेष फेस्टिव ऑफर्स का लाभ उठाएं। कपिल केशरी ने कहा कि बरही में काउंटर खुलने से स्थानीय लोगों को काफी लाभ मिलेगा। मौके पर टीम लीडर अमित कुमार चौबे, एच आर अतिश्रेष्ठ कुमार, सेल्समैन दीपक कुमार, सचिन कुमार, व्यवसाई रंजीत केशरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा, दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथ यात्रा साधुबांध मटिया से प्रारंभ होकर चांडिल स्टेशन के समीप स्थित मौसीबाड़ी तक पहुंची। पूरे मार्ग में हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन और रथ खींचने के लिए उमड़ पड़े। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा की और जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। वातावरण भक्ति गीतों, ढोल-नगाड़ों और जयकारों से गूंजता रहा।रथ यात्रा का आयोजन जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी विद्यानंद सरस्वती के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को रवाना किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ रथ को खींचा और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की।कार्यक्रम में ईचागढ़ विधायक सबिता महतो, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता,आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। उपस्थित लोगों ने आयोजन की भव्यता और अनुशासन की सराहना भी की।रथ यात्रा को लेकर पूरे चांडिल में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। मार्ग में पानी, प्राथमिक उपचार और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नारदा गांव में संदिग्ध मलेरिया से 12 वर्षीय बच्ची की मौत, भाई ब्रेन मलेरिया से संक्रमित

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण इलाकों में मलेरिया का बढ़ता प्रकोप चिंता का विषय बनता जा रहा है। पोटका प्रखंड के कोवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नारदा पंचायत के नारदा गांव में तेज बुखार से पीड़ित 12 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसका पांच वर्षीय भाई ब्रेन मलेरिया (सेरेब्रल मलेरिया) से संक्रमित पाया गया है। गंभीर हालत में बच्चे को एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। मृत बच्ची की पहचान नारदा गांव निवासी कोंदा सरदार की 12 वर्षीय पुत्री अनीता सरदार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अनीता पिछले कई दिनों से तेज बुखार से पीड़ित थी। परिवार ने शुरूआती दिनों में बीमारी को सामान्य बुखार अथवा पीलिया समझकर घरेलू उपचार और पारंपरिक उपायों का सहारा लिया। अस्पताल ले जाने में हुई देरी के कारण उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए रक्त का नमूना जांच के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पोटका के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुकांत सीट स्वास्थ्यकर्मियों की टीम के साथ नारदा गांव पहुंचे। टीम ने मृत बच्ची के घर पहुंचकर परिवार के अन्य सदस्यों की स्वास्थ्य जांच की। जांच के दौरान पता चला कि मृतका का पांच वर्षीय भाई अजय सरदार भी कई दिनों से तेज बुखार से पीड़ित है और उसकी हालत लगातार बिगड़ रही है। स्वास्थ्यकर्मियों ने पाया कि बच्चे की स्थिति गंभीर होने के बावजूद परिजन उसे अस्पताल ले जाने के लिए तैयार नहीं थे। काफी समझाइश और प्रयास के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्चे को सीएचसी पोटका लेकर पहुंची, जहां तत्काल उसकी जांच और उपचार शुरू किया गया। सीएचसी पोटका में की गई जांच में अजय सरदार ब्रेन मलेरिया (सेरेब्रल मलेरिया) से संक्रमित पाया गया।

चिकित्सकों ने बताया कि उसके शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर भी काफी कम है, जिससे उसकी स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार बच्चे की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है और विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि बच्ची की बीमारी की जानकारी न तो गांव की सहिया को दी गई थी और न ही स्वास्थ्य विभाग को इसकी कोई सूचना मिली थी। मृतका के पिता मूक-बधिर हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बीमारी को लेकर भ्रमित रहे। इसी कारण समय रहते मलेरिया की जांच नहीं हो सकी और आवश्यक उपचार शुरू नहीं किया जा सका। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि मलेरिया का समय पर परीक्षण और उपचार होने पर अधिकांश मामलों में मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि लगातार बुखार आने पर बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं और किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या घरेलू उपचार पर निर्भर रहने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लें। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने नारदा गांव में विशेष स्वास्थ्य अभियान शुरू कर दिया है। स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान कर रहे हैं, रक्त के नमूने लेकर मलेरिया की जांच की जा रही है तथा जरूरतमंद मरीजों को तत्काल दवा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीणों को मलेरिया के लक्षण, बचाव के उपाय, मच्छरों से सुरक्षा तथा समय पर इलाज कराने के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि बुखार को हल्के में न लें, मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें, घरों के आसपास जलजमाव न होने दें तथा किसी भी व्यक्ति में तेज बुखार, कंपकंपी या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत सरकारी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें, ताकि गंभीर स्थिति बनने से पहले ही प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब, चाईबासा के नए अध्यक्ष बने अमित पोद्दार

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के चाईबासा स्थित सनशाइन रेस्टोरेंट में गुरुवार को रोटरी क्लब चाईबासा का शपथ ग्रहण और प्रतिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में रोटरी मंडल 3250 के आगामी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मुकेश तनेजा ने मुख्य अतिथि और प्रतिष्ठापन अधिकारी के रूप में नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान अमित पोद्दार ने क्लब के नए अध्यक्ष और सौरभ प्रसाद ने सचिव के रूप में कार्यभार संभाला। मौके पर मुकेश तनेजा ने कहा कि रोटरी केवल सेवा का मंच नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने की स्वतंत्रता से नेतृत्व का विकास होता है और रोटरी अपने प्रत्येक सदस्य को जिम्मेदारी निभाने का अवसर देता है। उन्होंने रोटरी क्लब चाईबासा की सक्रिय कार्यशैली और युवा सदस्यों की ऊर्जा की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि क्लब भविष्य में भी समाजहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा। समारोह में जोन-4 के सह राजपाल प्रमोद दुबे ने भी नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए क्लब से सेवा गतिविधियों को और अधिक व्यापक बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्लब के सेवा कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों और विभिन्न संस्थाओं को सम्मानित किया गया। हस्तलेखन, वैदिक गणित एवं एबाकस की शिक्षिकाओं, टाटा लर्निंग सेंटर के संचालकों, बस स्टैंड जलमीनार परियोजना में सहयोग करने वाले बस ऑनर एसोसिएशन और क्लब की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित करने वाले मीडिया प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। वहीं अनिल कुमार महतो और विवेक शर्मा को रोटरी क्लब की सदस्यता ग्रहण कराई गई। अध्यक्ष बनने के बाद अमित पोद्दार ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। कविता शर्मा को उपाध्यक्ष, विनय लोधा को सह सचिव, कुणाल साव को कोषाध्यक्ष, संजय गुप्ता को सर्जेंट एट आर्म्स, निरंजन प्रसाद साव को क्लब ट्रेनर, मदन लाल गुप्ता को क्लब मेंटर, हीना ठक्कर को पत्रिका संपादक तथा हर्ष राज मिश्रा को तकनीकी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। समारोह में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, शहर के गणमान्य नागरिको ने भाग लिया।

फुलडुंगरी में 24 किमी लंबी सड़क निर्माण को लेकर भूमि पूजन

पूर्वी सिंहभूम : फुलडुंगरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-18 (एनएच-18) से बुरूडीह होते हुए झाटीझरना तक प्रस्तावित 24.01 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण परियोजना का विधिवत भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ सांसद विद्युत वरण महतो और विधायक सोमेश्वर (सोमेश) चंद्र सोरेन ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर किया। इस दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगी। सड़क बनने से ग्रामीण क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। करीब 24.01 किलोमीटर लंबी यह सड़क फुलडुंगरी एनएच-18 को बुरूडीह के रास्ते झाटीझरना से जोड़ेगी। सड़क के निर्माण से घाटशिला और आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी, वहीं विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में कम समय लगेगा। इसके अलावा गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भी समय की बचत होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुलभ बनेंगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से इस सड़क की मांग की जा रही थी। बरसात के दिनों में खराब सड़क के कारण आवागमन प्रभावित होता था और लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र में विकास की नई उम्मीद जगी है। भूमि पूजन समारोह के दौरान ग्रामीणों ने सांसद और विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया और सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों ने उम्मीद जताई कि परियोजना का निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा होगा, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

वित्त मंत्री की सुरक्षा बहाल नहीं होने पर चौहरमल समिति करेगी आंदोलन

पलामू : वीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति पलामू ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी है। गुरूवार को पलामू परिसदन में पत्रकारों से बात करते हुए समिति के पलामू जिलाध्यक्ष संदीप पासवान ने यह जानकारी दी। संदीप ने कहा कि डीजीपी के क्रियाकलाप से क्षुब्ध होकर वित्त मंत्री ने सुरक्षाकर्मी को वापस कर दिया गया है। झारखंड सरकार में एक मात्र अनुसूचित जाति के मंत्री लंबे समय से राजनीतिक अनुभव रखने वाले हैं। दुर्भावना से प्रेरित होकर डीजीपी ने सुरक्षा बल और वाहन को वापस लेना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। कल्याण समिति की पलामू प्रमंडल कमिटी और पूरे प्रदेश के पासवान समाज के लोग इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा प्रतीत होता है कि डीजीपी ने अनुसूचित जाति का मंत्री समझ कर उनके साथ साथ सौतेला व्यवहार किया है। वैसे झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन काफी अनुभवी एवं अनुसूचित जाति के हितैषी हैं, जिसका उदाहरण उन्होंने राज्य सभा चुनाव में झारखंड से झामुमो कोटा से वैद्यनाथ राम को राज्य सभा सांसद बनाकर एक मिसाल पेश की है, लेकिन झारखंड सरकार को बदनाम और मुख्यमंत्री की छवि को धुमिल करने के लिए डीजीपी ने कुचक्र रचा है, जो राज्यहित में उचित नहीं है। इस मुद्दे पर वे वित्त मंत्री के साथ हैं। संदीप ने मुख्यमंत्री से मांग की कि वित्त मंत्री की सुरक्षा व्यवस्था जल्द से जल्द बहाल किया जाए, अन्यथा विवश होकर चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

नंदकिशोर गोयनका : सेवा, संस्कार समर्पण और राष्ट्रभाव के युगपुरुष

कुछ व्यक्तित्व समय की सीमा में बंधे नहीं होते। उनका जीवन एक विचार बन जाता है, उनका आचरण एक आदर्श और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत। स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर गोयनका जी ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे। श्री गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनका जीवन-दर्शन, उनकी कर्मनिष्ठा, उनका सेवा-भाव और उनके द्वारा स्थापित आदर्श सदैव समाज का पथ आलोकित करते रहेंगे। वे उन लोगों में थे जिन्होंने कभी स्वयं को केंद्र में नहीं रखा, बल्कि समाज, राष्ट्र और संस्कृति को अपने जीवन का केंद्र बनाया। उनका व्यक्तित्व जितना विशाल था, उतना ही विनम्र भी। जितना प्रभावशाली था, उतना ही आत्मसंयमी। वे वास्तव में कर्मयोगी थे।

28 सितम्बर 1930 को हरियाणा के हिसार की पावन भूमि पर जन्मे श्री नन्दकिशोर जी ने अपने जीवन का निर्माण भारतीय संस्कारों, कठोर परिश्रम और नैतिक मूल्यों के आधार पर किया। जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कारों ने उन्हें राष्ट्रजीवन का सजग साधक बना दिया। उन्होंने कभी प्रसिद्धि की आकांक्षा नहीं की, बल्कि अपने प्रत्येक कार्य को ईश्वरार्पण और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना।

सामान्य रूप से देश उन्हें प्रख्यात उद्योगपति, एस्सेल समूह के संस्थापक एवं मीडिया जगत के अग्रणी व्यक्तित्व डॉ. सुभाष चंद्रा के पूज्य पिता के रूप में जानता है, किंतु जिन्होंने उन्हें निकट से देखा, वे जानते हैं कि उनकी अपनी पहचान कहीं अधिक व्यापक थी। वे समाज के मार्गदर्शक, संगठन के विश्वसनीय कार्यकर्ता, गौसेवा के तपस्वी, अग्रवाल समाज के प्रेरक और राष्ट्रजीवन के सजग प्रहरी थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके जीवन का केवल एक संगठन नहीं था, बल्कि जीवन-दृष्टि था। वे संघ के एक कर्मठ, अनुशासित और निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। उन्होंने संघ के उस मूल मंत्र–राष्ट्र प्रथम–को अपने जीवन में पूरी निष्ठा से उतारा। उनके लिए राष्ट्रभक्ति भाषण का विषय नहीं, बल्कि जीवन की दिनचर्या थी। अनुशासन, समयपालन, विनम्रता, आत्मसंयम और संगठन-भाव उनके स्वभाव में स्वाभाविक रूप से समाहित थे।

विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत के उपाध्यक्ष के रूप में तथा गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे मानते थे कि हिंदू समाज का संगठन केवल किसी संस्था का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है। परिषद के सेवा, संस्कार, समरसता और धर्मजागरण के कार्यों में उन्होंने तन, मन और संसाधनों से सहयोग दिया। गौरक्षा उनके लिए केवल आंदोलन नहीं थी; वह भारतीय संस्कृति, कृषि, ग्राम्य जीवन और करुणा की रक्षा का अभियान था। वे गौमाता को भारतीय जीवन का आधार मानते थे। अनेक गौशालाओं और गौरक्षा अभियानों के साथ उनका सक्रिय जुड़ाव इसी जीवन-दृष्टि का प्रमाण था। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा– श्री नन्दकिशोर गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो आज पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनके गुण, कर्म, स्वभाव और महानता सदैव अमिट रहेंगे। संघ के एक कर्मठ स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने आजीवन निस्वार्थ सेवा दी। महाराजा अग्रसेन के सच्चे वंशज के रूप में उन्होंने अग्रोहा धाम को वैश्य समाज के एक तीर्थ के रूप में विकसित किया। विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत उपाध्यक्ष एवं गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। गौमाता के वे सच्चे सेवक थे और भारत माता के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। यह श्रद्धांजलि वस्तुतः उनके संपूर्ण जीवन का सार है।

सूडोकु नवताल- 7858

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7857 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

मंदिरों में भ्रष्टाचार : वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्ल लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्ल जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

जगन्नाथ रथयात्रा : उतार-चढ़ाव, विध्वंस और पुनर्निर्माण के बीच अमर है आस्था की परंपरा

रमेश शर्मा

पुरी की विश्वविख्यात भगवान जगन्नाथ रथयात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस वर्ष रथयात्रा शुरू हो गई है जोकि 24 जुलाई तक आयोजित होगी। 25 जुलाई को नीलाद्री बीजे के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मुख्य मंदिर में वापसी होगी तथा 27 जुलाई से पुनः दर्शन आरंभ होंगे। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में सहभागी बनते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि भारत की आध्यात्मिक चेतना समय, सत्ता और परिस्थितियों से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है तथा आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित गोवर्धन मठ का भी केंद्र है। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ के रूप में अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को तीनों देवता भव्य रथों पर आरूढ़ होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं और कुछ दिनों बाद पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष, बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजते हैं। लाखों श्रद्धालु लगभग 50 मीटर लंबी रस्सियों से इन रथों को हाथों से खींचते हैं। रथ को खींचना ईश्वर की सेवा और पुण्य का कार्य माना जाता है। यही कारण है कि इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र की सभी सीमाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं।

पर्यावरण और लोककला का अद्भुत संदेश

रथयात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया से प्रारंभ होती है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं और उनका निर्माण पूरी तरह पारंपरिक शिल्पकला से होता है। आधुनिक मशीनों के स्थान पर स्थानीय कारीगर अपनी पीढ़ियों से चली आ रही कला का उपयोग करते हैं। रथों के निर्माण में मुख्यतः काष्ठ का प्रयोग होता है और प्रकृति के संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाता है। यह परंपरा भारतीय संस्कृति के उस विचार को पुष्ट करती है कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ ही यह स्थानीय शिल्पकारों और लोककला को जीवित रखने का भी प्रभावी माध्यम है।

सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण रथयात्रा का सबसे प्रेरक दृश्य वह होता है जब पुरी के गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। इस परंपरा को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। राजा के साथ राजपुरोहित तथा सबर जनजाति के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहते हैं। राजा द्वारा झाड़ू लगाना यह संदेश देता है कि ईश्वर के समक्ष कोई बड़ा या छोटा नहीं है। मंदिर की सेवा-व्यवस्था में भी विभिन्न समाजों और परंपराओं के लोगों की सहभागिता रहती है। यही कारण है कि जगन्नाथ धाम भारतीय सामाजिक समरसता और समावेशी संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है।

पौराणिक कथा में छिपा सांस्कृतिक संदेश मान्यता है कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में सबर जनजाति का था। उनके प्रमुख विश्ववसु भगवान नीलमाधव के उपासक थे। राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान ने मंदिर निर्माण का आदेश दिया। बाद में समुद्र से प्राप्त दिव्य काष्ठ से भगवान की प्रतिमा बनाने का निर्देश मिला। स्वयं विश्वकर्मा बढ़ई के रूप में प्रतिमा निर्माण के लिए आए और अधूरी प्रतीत होने वाली उन्हीं प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आज भी भगवान जगन्नाथ की विशिष्ट काष्ठ प्रतिमाएं उसी परंपरा का प्रतीक हैं।

भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक

जगन्नाथ परंपरा भारत की सांस्कृतिक अखंडता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में, कर्मभूमि द्वारका में और जगन्नाथ रूप में उनका प्रतिष्ठान पुरी में है। मान्यता है कि प्रथम काष्ठ समुद्र के माध्यम से द्वारका से पुरी पहुँचा। दूसरी ओर, देवी सुभद्रा का संबंध हस्तिनापुर से माना जाता है, जबकि विभीषण की आराधना से जुड़ी परंपरा दक्षिण की सांस्कृतिक स्मृतियों को जोड़ती है। इस प्रकार पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण-संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक चेतना इस एक मंदिर और रथयात्रा में समाहित दिखाई देती है। साथ ही भगवान अपने भाई और बहन के साथ विराजमान होकर भारतीय परिवार व्यवस्था और पारिवारिक समन्वय का भी संदेश देते हैं।

विध्वंस और पुनर्निर्माण का संघर्षपूर्ण इतिहास

जगन्नाथ मंदिर का इतिहास भक्ति के साथ ही संघर्ष और पुनर्जागरण का भी इतिहास है। 14वीं शताब्दी से लेकर मुगल काल तक मंदिर पर अनेक आक्रमण हुए। इलियास शाह, फिरोज शाह तुगलक, इस्माइल गाजी, अफगान आक्रमणकारी काला पहाड़ तथा बाद में कई मुगल सेनापतियों ने मंदिर को क्षति पहुँचाई। सबसे भीषण आक्रमण 1568 में काला पहाड़ और बाद में औरंगजेब के शासनकाल में हुआ। अनेक बार मंदिर को ध्वस्त किया गया, लूटपाट हुई और श्रद्धालुओं का नरसंहार भी हुआ। किंतु हर संकट के समय पुजारियों और भक्तों ने भगवान की प्रतिमाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाकर परंपरा को जीवित रखा। यही कारण है कि मंदिर का इतिहास विध्वंस से अधिक पुनर्निर्माण और अटूट आस्था का इतिहास बन गया। मुगल सत्ता के पतन के बाद मराठा शासनकाल में मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य गति पकड़ता है। आगे चलकर इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक शासकों और श्रद्धालुओं के प्रयासों से मंदिर को पुनः उसका गौरव प्राप्त हुआ। आज भी उतना ही प्रासंगिक है यह संदेश आज जब समाज अनेक प्रकार की विभाजक प्रवृत्तियों का सामना कर रहा है, तब जगन्नाथ रथयात्रा हमें समरसता, सेवा, समानता और राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश देती है। लाखों लोग बिना किसी भेदभाव के एक ही रस्सी को पकड़कर भगवान के रथ को आगे बढ़ाते हैं। यही दृश्य भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को साकार करता है, जिसमें समूचा समाज एक परिवार माना गया है, इसीलिए जगन्नाथ रथयात्रा केवल ओडिशा का पर्व नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और अजेय आस्था का महापर्व है। सदियों तक आक्रमण, विध्वंस और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बाद भी यह परंपरा आज उसी श्रद्धा, वैभव और उत्साह के साथ जीवित है। यही इसकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सबसे सशक्त प्रमाण है।

भारत में धर्म और राजनीति को अलग क्यों नहीं देखा गया?

दीपक कुमार द्विवेदी

आज के बौद्धिक विमर्शों में एक विचार बार-बार सुनाई देता है, वह है- राज्य का कोई धर्म नहीं होना चाहिए। धर्म व्यक्ति का निजी विषय है और राजनीति को उससे अलग रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु क्या यह भारतीय सभ्यता की मूल चेतना से मेल खाती है? यही प्रश्न आज गंभीर चर्चा की मांग करता है। दरअसल, भारतीय और पश्चिमी राजनीतिक दर्शन की आधारभूमि अलग-अलग रही है। भारत में जिस 'धर्म' की चर्चा होती है, वह पश्चिम के 'रिलीजन' का पर्याय नहीं है। इसी मूलभूत अंतर की अनदेखी ने लंबे समय से वैचारिक भ्रम उत्पन्न किया है।

भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ किसी विशेष मत, संप्रदाय या पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। महर्षि वेदव्यास ने कहा है, धारणाद् धर्ममित्याहुः, अर्थात जो समाज और सृष्टि को धारण करे, वही धर्म है। सत्य, न्याय, कर्तव्य, मयार्दा, करुणा और लोककल्याण, ये सभी धर्म के अंग हैं। इसी कारण भारतीय परंपरा में 'स्वधर्म', 'राजधर्म', 'राष्ट्रधर्म' और 'सनातन धर्म' जैसी अवधारणाएँ विकसित हुईं। यहाँ धर्म व्यक्ति के निजी जीवन से आगे बढ़कर समाज और राज्य की नैतिक दिशा निर्धारित करता है। सेक्युलरिज्म की उत्पत्ति और भारतीय संदर्भः यूरोप में सेक्युलरिज्म का जन्म चर्च और राजसत्ता के बीच सदियों तक चले संघर्ष की पृष्ठभूमि में हुआ। धार्मिक संस्थाओं के राजनीतिक हस्तक्षेप से उत्पन्न टकराव ने राज्य और चर्च को अलग करने की आवश्यकता पैदा की। भारत का अनुभव इससे बिल्कुल भिन्न रहा। यहाँ राजा स्वयं धर्म के अधीन माना गया। महाभारत से लेकर अर्थशास्त्र और रामायण तक भारतीय ग्रंथों में राजा की शक्ति का स्रोत धर्म और न्याय को माना गया है, न कि उसकी व्यक्तिगत इच्छा को, इसलिए भारतीय चिंतन में राजनीति का उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि धर्मसम्मत शासन और लोकमंगल रहा है। राजधर्म : भारतीय शासन-दर्शन की आत्माः भारतीय इतिहास में आदर्श शासक वही माना गया जिसने राजधर्म का पालन किया। भगवान श्रीराम को 'मयार्दा पुरुषोत्तम' इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत सुख से ऊपर राजधर्म को रखा। महाभारत में भीष्म, विदुर और श्रीकृष्ण बार-बार शासक को धमार्धारित शासन का उपदेश देते हैं। कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी स्पष्ट करता है कि राज्य का अस्तित्व केवल शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि प्रजा की सुरक्षा, न्याय और समृद्धि के लिए है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में धर्म का अर्थ किसी धार्मिक वर्चस्व से अधिक नैतिक उत्तरदायित्व रहा है।

ऋतम और पुरुषार्थ : संतुलित जीवन का दर्शनः वैदिक साहित्य में समस्त सृष्टि एक शाश्वत व्यवस्था के अधीन मानी गई है, जिसे 'ऋतम्' कहा गया है। इसी व्यवस्था के अनुरूप मानव जीवन के चार पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष–निर्धारित किए गए। इनमें धर्म को प्रथम स्थान इसलिए दिया गया क्योंकि वही अर्थ और काम को मर्यादित करता है। यदि समाज से धर्म का नैतिक नियंत्रण समाप्त हो जाए, तो आर्थिक विकास भी स्वार्थ का माध्यम बन सकता है और व्यक्तिगत स्वतंत्रता अराजकता में बदल सकती है। भारतीय दर्शन इसी संतुलन पर बल देता है।

विज्ञान और अध्यात्म : विरोध नहीं, समन्वयः भारतीय परंपरा आधुनिक विज्ञान का विरोध नहीं करती, बल्कि ज्ञान के व्यापक स्वरूप को स्वीकार करती है। आधुनिक विज्ञान मुख्यतः भौतिक जगत की व्याख्या करता है, जबकि भारतीय दर्शन चेतना, प्रकृति और ब्रह्मांड के आध्यात्मिक आयामों पर भी विचार करता है। उपनिषदों और भगवद्गीता का संदेश है कि भौतिक प्रगति आवश्यक है, किंतु उसके साथ आत्मबोध और नैतिकता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान और अध्यात्म को परस्पर पूरक माना गया है।

भारतीय आख्यानों को उनके संदर्भ में समझने की आवश्यकताः भारतीय महाकाव्यों और पुराणों की अनेक कथाओं को केवल आधुनिक वैज्ञानिक कसौटी पर परखने से उनके सांस्कृतिक और दार्शनिक अर्थ छूट जाते हैं। परंपरागत आचार्यों ने इन प्रसंगों को प्रतीकात्मक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों में समझाया है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आग्रह है कि किसी भी ग्रंथ का मूल्यांकन उसकी अपनी दार्शनिक पृष्ठभूमि में किया जाए, न कि केवल आधुनिक पश्चिमी दृष्टिकोण से।

आज भारत तीव्र वैश्वीकरण, तकनीकी परिवर्तन और सांस्कृतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। परिवार व्यवस्था, सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान पर नए प्रश्न खड़े हो रहे हैं। धर्मांतरण, सांस्कृतिक अस्मिता, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सामाजिक समरसता जैसे विषय सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। इन विषयों पर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण हो सकते हैं, किंतु एक बात निर्विवाद है कि किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक स्थिरता उसके सांस्कृतिक आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक एकता पर निर्भर करती है। धर्म का वास्तविक अर्थ : कर्तव्य और उत्तरदायित्वः भारतीय संस्कृति में धर्म का अर्थ केवल मंदिर जाना या धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं है। माता-पिता की सेवा, सत्य का पालन, राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और दुर्बलों की रक्षा भी धर्म के ही स्वरूप हैं। महाराणा प्रताप का संघर्ष, राजा दिलीप का त्याग, आदि शंकराचार्य का राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक अभियान और भगवान श्रीराम का आदर्श शासन, इन सबमें धर्म जीवन-मूल्यों के रूप में प्रकट होता है, किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान के रूप में नहीं। कुल निष्कर्ष रूप में कहें तो भारत में धर्म और राजनीति को कभी दो विरोधी संस्थाएं नहीं माना गया।

दैनिक पंचांग

17 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.27 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	07.43 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.55 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.06 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.20 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.36 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.01 बजे से
राहुकाल		मेष	23.31 बजे से
10.30 से		वृष	01.11 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	03.09 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 198 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 06.28 बजे तदनन्तर चतुर्थी 04.43 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 18.35 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 22.46 बजे को समाप्त। **करण** गर 06.28 बजे, वणिज 17.31 बजे तदनन्तर विष्टि 04.43 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 2.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872773 **जूलियन दिन** 2461238.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मारपीट में मां-बेटा घायल, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बेगंडुब्बी गांव में गुरुवार को एक आपसी विवाद के चलते हिंसक मारपीट की घटना सामने आई है, जिसमें एक मां और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल महिला रोगीला बीवी (60 वर्ष) ने अपने पुत्र इब्राहिम शेख और अन्य बेटों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है, जबकि दूसरी ओर घायल बेटे इब्राहिम शेख (40 वर्ष) ने अपनी मां और अन्य भाइयों पर ही मारपीट का आरोप मढ़ा है। परिजनों द्वारा दोनों घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर कुमार सौरभ द्वारा उनका उपचार किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही थाना के एएसआई काली पद मुर्मू पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और मामले की छानबीन व कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पोक्सो एक्ट में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के बीते दिनों बरहेट संथाली के दूसरे समुदाय के युवक द्वारा रांगा थाना क्षेत्र के एक नाबालिग लड़की को शिवगादी मंदिर ले जाकर जबरन शादी का मामला को लेकर बरहेट पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने बताया कि लड़की के माँ ने आवेदन देकर बताया कि उसकी पुत्री को कथित युवक ने प्रेम जाल में फंसाया है। वही बीते दिनों विद्यालय आने के बहाने उसकी बेटी बरहेट आई और उक्त लड़के द्वारा उसे शिवगादी ले गया। देर होने पर खोजबीन किया हालांकि बाद में पता चला कि उसकी बेटी को एक युवक के साथ शिवगादी से पकड़कर थाना ले आया है। फि लहाल पुलिस ने आवेदन के आधार पर थाना कांड संख्या 87/26 दर्ज कर पोक्सो एक्ट के तहत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आगे पुलिस मामले को गहराई से जांच में जुटी है।

डीईओ के बैठक में उपस्थित होंगे बीइइओ व बीपीओ

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखंड में जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी बीइइओ व बीपीओ को आगामी 17 जुलाई को समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा हेतु बैठक में उपस्थित होने का निर्देश जारी किया है। डीईओ ने पत्र निर्गत किया है। डीईओ ने पत्र में निर्देश दिया है कि सभी बीइइओ/बीपीओ को समग्र शिक्षा साहिबगंज के सभागार में जिला उपायुक्त के 10 जून को हुई समीक्षा बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन, ई-विद्यावाहिनी पर छात्र/शिक्षक उपस्थिति, अपार आईडी जेनरेशन, गुणवत्ता शिक्षा क्रियान्वयन, सामाजिक आंकेक्षण, एक पेड़ मां के नाम आदि पर चर्चा होगी। बैठक में जिले के सीआरपी व बीआरपी को ऑन लाईन बैठक में जुड़ने का निर्देश है।

पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक को पुलिस ने मारपीट मामले में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना कांड संख्या 80/26, दिनांक 29/06/26 धारा-126 (2) /115 (2)118 (1)/109(1)/3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त मोहम्मद हसन पिता मोहम्मद सग्गो, साकिन छोटी कुदर्जन्ना थाना मुफस्सिल जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर उचित मार्गदर्शी दल के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

329 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक परंपरा का हुआ भव्य आगाज

श्रद्धा और उत्साह के बीच निकली पाकुड़ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में नगर थाना के समीप स्थित ऐतिहासिक रथ मेला मैदान में गुरुवार को 329 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक रथयात्रा एवं रथ मेले का पारंपरिक उत्साह, उमंग और गहरी आस्था के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल देखने को मिला। रथ मेले का उद्घाटन एसडीपीओ कुमार गौरव, नगर परिषद अध्यक्ष शबरी पाल तथा समाजसेवी सुरेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद एसडीपीओ कुमार गौरव ने नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता एवं पुलिस अधिकारियों के साथ पूरे मेला परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मेला समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पाकुड़ की यह रथयात्रा राज्य ही नहीं, बल्कि संथाल परगना की सबसे प्राचीन धार्मिक परंपराओं में गिनी जाती है। इसका इतिहास वर्ष 1697 से जुड़ा है, जब पाकुड़ राज के राजा पृथ्वी चंद्र शाही ने इसकी शुरूआत की थी। बाद में वर्ष 1856 में राजा गोपीनाथ पांडेय के समय से यह यात्रा राजबाड़ी से स्थायी रूप से निकाली जाने लगी। तब से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा और वैभव के साथ आयोजित की जाती है। मुख्य रथयात्रा राजापाड़ा स्थित मदन मोहन स्वामी मंदिर से प्रारंभ होती है, जहां से भगवान मदन मोहन एवं माता रुक्मिणी भव्य रथ पर सवार होकर मौसी बाड़ी के लिए प्रस्थान करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान एक सप्ताह तक मौसी बाड़ी में विश्राम करते हैं, जिसके बाद घूरती रथयात्रा (वापसी यात्रा) निकाली जाती है। पाकुड़ के अलावा हिरणपुर, कालिकापुर और महेशपुर में भी रथयात्रा की परंपरा निभाई जाती है। मेला प्रबंधक सुजीत सरकार ने बताया कि इस वर्ष मेले को पहले से अधिक भव्य और आकर्षक स्वरूप दिया गया है। मेले में जलपरी शो, बड़ी नाव, जादू शो, विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्प उत्पादों की दुकानें तथा अनेक मनोरंजन और व्यापारिक स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला पूरे परिवार के लिए मनोरंजन और धार्मिक आस्था का संगम है। सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश यादव ने मेले में आने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों और कीमती सामानों पर विशेष नजर रखें तथा दोपहिया वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें, ताकि चोरी और जाम जैसी समस्याओं से बचा जा सके। इस अवसर पर एसडीपीओ कुमार गौरव ने कहा कि लगभग एक महीने तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिन प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, वहां तत्काल कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। चोरी, छिनतई जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए वदीर्धारी पुलिस के साथ-साथ सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

ससुराल में रह रहे अधेड़ ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के नगर थाना क्षेत्र के शहरकोल पंचायत के दुगार्पुर गांव में गुरुवार को एक अधेड़ व्यक्ति का शव आम के पेड़ पर लटका मिला। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कोलाजोड़ा निवासी वकील हेम्ब्रम, 45 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से अपने ससुराल दुगार्पुर में रहकर खेती-बाड़ी का काम करते थे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के तालाब किनारे स्थित आम के पेड़ पर उनका शव लटका देखा और इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी। सूचना पर एसआई अनंत साह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल भेज दिया। एसआई ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस मामले की सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। इधर, घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

पुलिया की सफाई नहीं होने से रेलवे ट्रैक पर फिर मंडरा रहा जलजमाव का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिर्जाचौकी समपार गेट नंबर-2 के समीप सड़क किनारे स्थित पुलिया की अब तक सफाई नहीं कराई गई है। इससे अत्यधिक बारिश होने पर एक बार फिर रेलवे ट्रैक पर पानी चढ़ने की आशंका जताई जा रही है। रेलवे ट्रैक पर जलजमाव होने की स्थिति में भाया मिर्जाचौकी होकर गुजरने वाली ट्रेनों का आवागमन भी बाधित हो सकता है। इससे यात्रियों के साथ-साथ रेलवे और स्थानीय लोगों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समस्या को लेकर मालदा रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता-2 विद्युत मंडल ने पिछले दिनों मंडरों के अंचलाधिकारी को पत्र भेजकर प्राकृतिक जल निकासी मार्ग को तत्काल बहाल कराने की मांग की थी। रेलवे की ओर से भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया था कि जलजमाव की समस्या का मुख्य कारण रेलवे सीमा के बाहर प्राकृतिक जल निकासी मार्ग का अवरुद्ध होना है। इसके अलावा एनएचएआई द्वारा सड़क चौड़ीकरण के दौरान प्रस्तावित साइड ड्रेन का निर्माण नहीं किए जाने से भी पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। रेलवे के अनुसार, जल निकासी की व्यवस्था बाधित रहने के कारण बारिश का पानी आसपास के क्षेत्रों में जमा होकर रेलवे ट्रैक की ओर पहुंच रहा है। इससे रेलवे परिचालन के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी गंभीर कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पुलिया की शीघ्र सफाई कराने और प्राकृतिक जल निकासी मार्ग को तत्काल बहाल करने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान दोबारा जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो।

वार्ड नंबर 6 में महिला आरोग्य समिति का हुआ गठन, लता कुमारी हुई सहिया पद पर चयनित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले शहरी वार्डो में किशोरी एवं धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विभिन्न वार्डों में महिला आरोग्य समिति का गठन किया जा रहा है। जहां इसी क्रम में वार्ड नंबर 6 गुल्लीभट्ठा में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के डीपीसी संदीप कुमार, शहरी डीपीएम सूरज कुमार, अभय सिंह, सदानंद यादव, मुनी जी पांडेय, सुनील कुमार, एएनएम मधुर लता एवं वार्ड पार्षद शेखर पासवान की उपस्थिति में महिला आरोग्य समिति का गठन किया गया। जहां सर्वसम्मति से महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष नीतू देवी पति संजय तांती, सचिव स्वीटी शर्मा पति दिलीप शर्मा, कोषाध्यक्ष सहिस्ता प्रवीण पति रहमान अहमद एवं अन्य सदस्यों में रीता देवी, रिंकू खातून, शीतू कुमारी, कविता देवी, आशा देवी, नंदनी कुमारी, जूली देवी एवं रिया कुमारी का चयन किया गया। उधर महिला आरोग्य समिति का गठन होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व गठित समिति के सभी सदस्यों व स्थानीय लोगों के मौजूदगी में सहिया के चयन की प्रकिया शुरू की गई। जिसमें पिछले कई सालों से वार्ड क्षेत्र में टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी एवं अन्य कार्यों में शामिल रहने वाली एकमात्र सदस्य लता कुमारी पति स्वर्ग देवनंदन पासवान का चयन सर्वसम्मति से किया गया। जहां स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चयनित सहिया लता कुमारी को प्रमाण पत्र दे दिया। इस मौके पर सुकन्या देवी, कंचन देवी, मीना देवी, गीता देवी, मुन्नी देवी, सोनू कुमार, विश्वकर्मा कुमार, प्रशांत कुमार पासवान समेत वार्ड क्षेत्र से जुड़े अन्य लोग मौजूद थे।

सर्पदंश से 13 वर्षीय किशोर की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत योगीचक, सरकंडा गांव में एक किशोर की सांप काटने से मौत हो गया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार दयानंद चौरसिया के पुत्र अभिषेक कुमार (13) बुधवार को अपने घर पर चौंकी (खाट) में बैठ कर पढ़ाई कर रहा था। तभी अचानक बिजली चली गई और वह चौंकी से निचे से उतर कर दोबारा पढ़ाई करने लगा तभी एक जहरीले सांप ने उसके पैर में काट लिया। किशोर के द्वारा जोर से आवाज लगाकर अपनी मां को बताया कि उसके पैर में सांप काट लिया है। परिजनों के द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सौरव कुमार के द्वारा इलाज किया जा रहा था तभी अचानक देर रात किशोर ने दम तोड़ दिया। पुलिस को सूचना मिलते ही एएसआई गुरुवार को सुबह अस्पताल पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। वहीं इस हृदय विदारक घटना से माता-पिता परिजन सहित पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

बरहेट में श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, जयघोष से गूंजा पूरा नगर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा धार्मिक उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। रथयात्रा के दौरान पूरा नगर जय जगन्नाथ और हरे कृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ की डोर खींचकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। रथयात्रा की शुरूआत एनटीपीसी रोड स्थित जगन्नाथ मंदिर से हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और बहन सुभद्रा की विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद तीनों विग्रहों को सुसज्जित रथ पर विराजमान कराया गया। इसके बाद रथ नगर के प्रमुख मार्गों से होकर हरे कृष्ण मंदिर पहुंचा। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने आरती उतारकर सुख-समृद्धि की कामना की। मृदंग, झांझ, करताल और संकीर्तन की मधुर धुनों पर भक्त भक्ति में सराबोर नजर आए। धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान आठ दिनों तक हरे कृष्ण मंदिर में विराजमान रहेंगे, जिसके बाद पुनः शोभायात्रा के साथ उन्हें जगन्नाथ मंदिर लाया जाएगा। रथयात्रा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे पूरी रथयात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

संक्षिप्त खबरें

जेएलकेएम में अनुशासनात्मक कार्रवाई, जयराम महतो ने पाकुड़ जिलाध्यक्ष को हटाया

पाकुड़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने संगठनात्मक अनुशासन को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो ने पाकुड़ जिला अध्यक्ष हसन अंसारी को तत्काल प्रभाव से पद से मुक्त कर दिया है। इस संबंध में केंद्रीय कार्यालय से पत्रांक संख्या जेएलकेएम/सीपी/90/26 दिनांक 16/07/2026 को जारी पत्र में कहा गया है कि संगठन के संज्ञान में हसन अंसारी के विरुद्ध नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि के लेन-देन संबंधी गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। पत्र में उल्लेख है कि संगठन द्वारा उपलब्ध तथ्यों एवं जानकारी के परीक्षण उपरांत प्रथम दृष्टया आरोपों में पर्याप्त आधार पाया गया। संगठन की गरिमा, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें पाकुड़ जिला अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का निर्णय लिया है। आदेश में हसन अंसारी को निर्देशित किया गया है कि संगठन से संबंधित सभी दायित्व, अभिलेख, दस्तावेज, पहचान-पत्र तथा अन्य सामग्री तत्काल संबंधित प्राधिकारी को हस्तांतरित करें। अब संगठन के नाम, पद अथवा अधिकार का किसी भी प्रकार से उपयोग करना उनके लिए मान्य नहीं होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

रहसपुर पंचायत व एआईएमआईएम जिला कार्यालय में एसआईआर हेल्प डेस्क, लोगों के भरे गए फॉर्म

पाकुड़ : जिले के पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के निदेर्शानुसार पाकुड़ प्रखंड के रहसपुर पंचायत एवं एआईएमआईएम के जिला कार्यालय में एसआईआर हेल्प डेस्क का संचालन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के एसआईआर फॉर्म भरवाए गए तथा उन्हें आवश्यक जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया गया। हेल्प डेस्क पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने लोगों को फॉर्म भरने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य औपचारिकताओं की जानकारी देकर आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करे। इस अवसर पर पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर ने कहा कि एआईएमआईएम जनता की सेवा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं एवं प्रक्रियाओं का लाभ आसानी से पहुंचे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में भी विभिन्न पंचायतों और क्षेत्रों में एसआईआर हेल्प डेस्क लगाकर आम लोगों की सहायता जारी रखी जाएगी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपील की कि जिन नागरिकों का एसआईआर फॉर्म अभी तक नहीं भरा गया है, वे हेल्प डेस्क पर पहुंचकर नि:शुल्क सहायता का लाभ उठाएं।

चोरी के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंज: जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के मोतीपहाड़ी निवासी वादी भवेश कुमार ठाकुर के द्वारा अपना मोटरसाईकल चोरी को लेकर दर्ज कराए गए मामले में प्राथमिकी अभियुक्त बबलु कुमार पहाड़िया पिता मौर्य पहाड़िया, साकिन मावाडीह बेड़ो, थाना बोआरीजोर, जिला गोड्डा निवासी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बुधवार को मोटर साइकिल चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने से संबंधित आवेदन के आधार पर बोरियो थाना कांड संख्या 55/26 दर्ज किया गया था। अनुसंधान के बाद कांड के प्राथमिकी अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया।

गीता बालमुचू ओएमडीसी का बनीं स्वतंत्र निदेशक भाजपा ने कहा-आदिवासी समाज को मिला सम्मान

पश्चिमी सिंहभूम : भारतीय जनता पार्टी की पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू को भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन संचालित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओडिशा मिनरल्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी) का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया है। यह जानकारी भाजपा पश्चिमी सिंहभूम के जिला मीडिया प्रभारी जितेन्द्र नाथ ओझा ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गीता बालमुचू की नियुक्ति व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ झारखंड, कोल्हान, पश्चिमी सिंहभूम और आदिवासी समाज के सम्मान का भी प्रतीक है। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में आदिवासी समाज के प्रतिनिधित्व को लगातार बढ़ावा दे रही है। विज्ञप्ति के अनुसार गीता बालमुचू लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़ी रही हैं और उन्होंने संगठन के साथ-साथ जनप्रतिनिधि के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। चाईबासा नगर परिषद की अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने पांच वर्षों तक नगर के विकास कार्यों का नेतृत्व किया। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें चाईबासा विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी भी बनाया था। इसके अलावा उन्होंने पार्टी में कई संगठनात्मक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। भाजपा ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में अधिकांश जनप्रतिनिधि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस से होने के बावजूद पार्टी ने गीता बालमुचू पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब केंद्र सरकार द्वारा ओएमडीसी में स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक जीवन में योगदान की पहचान है। पार्टी के अनुसार ओडिशा मिनरल्स डेवलपमेंट कंपनी देश के प्रमुख खनन सार्वजनिक उपक्रमों में शामिल है। स्वतंत्र निदेशक के रूप में गीता बालमुचू कंपनी के नीतिगत निर्णयों, पारदर्शिता, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी भूमिका निभाएंगी। भाजपा ने उम्मीद जताई कि उनकी मौजूदगी से खनिज संपदा वाले आदिवासी क्षेत्रों की आवाज राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आएगी। भाजपा ने इस नियुक्ति को आदिवासी समाज, विशेषकर महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि गीता बालमुचू अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी।

एक नजर

अम्बिका पब्लिक स्कूल में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन

बोकारो : गुरुवार को अम्बिका पब्लिक स्कूल में स्मार्ट क्लास के लिए इंटरएक्टिव टच स्क्रीन पैनल का उदघाटन स्कूल के निदेशक दिनेश कुमार सिंह ने दीपप्रज्वलन कर किया। इससे पहले छात्राओं ने सरस्वती वंदना से सबका स्वागत किया। निदेशक ने कहा कि आधुनिक तकनीक से युक्त शिक्षण कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हेडमास्टर कुमार सौरभ ने विद्यार्थियों को बताया कि इंटरएक्टिव टच पैनल के माध्यम से वीडियो एनिमेशन , डिजिटल कंटेंट एवं इंटरएक्टिव गतिविधियों के जरिये पढ़ाई अधिक रोचक, प्रभावी और आसान होगी। इससे विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ेगी। कठिन विषयों को समझना सरल होगा तथा शिक्षण की गुणवत्ता में भी सुधार आएगी। मौके पर सभी शिक्षक , शिक्षिकाएं व अभिभावक मौजूद रहे।

युवक अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार

धनबाद : पुलिस ने अपराध पर नकेल कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई में अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपित अपने साथी के साथ किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी में एक लोडेड पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पूरे मामले की जानकारी डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में दी। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि 15 जुलाई की शाम करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली थी कि हीरक रोड आठ लेन सड़क के पास भुचुंगटांड़ स्थित एक बंद मकान के समीप दो अपराधी किसी बड़ी घटना की योजना बना रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ के रथयात्रा में आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नगर के सेक्टर 4 एफ में स्थित जगन्नाथ मंदिर में गुरूवार को भगवान जगन्नाथ की विशेष पूजा-अर्चना किया गया। पूजा अर्चना के बाद पाहण्डी विधि से उन्हें भाई बलभद्र बहन सुभद्रा व नैसर्गिक भगवान सुदर्शन के साथ रथ पर विराजमान कराया गया। इसके बाद रथ में विधिवत पूजा अर्चना की गई। तब बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने रथ पर सवार होकर छेरा पंहारा की रस्म को निभाया। पूजा अर्चना व आरती के बाद भगवान जगन्नाथ का रथ दोपहर 2 बजे उनकी मौसीबाड़ी राम मंदिर के लिए रवाना हो गया। रथ रवाना होने के साथ ही जय जगन्नाथ, जय जगन्नाथ व हरि बोल के जयकारों से पूरे बोकारो का वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस वर्ष रथ यात्रा में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रथ के आगे-आगे उड़िया कीर्तन मंडली के लोग भजन-कीर्तन करते व नाचते गाते हुए चल रहे थे। वहीं, श्रद्धालु महिलाएं भी नृत्य करती चल रही थीं। इस प्रकार भगवान का रथ जगन्नाथ मंदिर से निकलने के बाद बीजीएच मोड़ होते हुए सिटी सेंटर, सेक्टर 4 गांधी चौक व पत्थर कट्टा चौक होते हुए श्रीराम मंदिर स्थित मौसीबाड़ी पहुंच गया। जहां पूरे भक्ति भाव से भगवान की पूजा-अर्चना की गई। रथयात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा।

पानी की हुई बौछार

दोपहर में भीषण गर्मी को देखते हुए रथ के आगे-आगे बीएसएल की ओर से पानी भरे टैंकर से पानी की बौछार लगातार की जा रही थी। पानी की बौछार किए जाने से रथ खींचने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिला। वहीं बीएसएल के बिजली विभाग के वाहन भी साथ-साथ चल रहे थे। रथ यात्रा को लेकर पुलिस सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गयी थी। रथ के साथ पुलिस व सीआईएसएफ के जवान साथ साथ चल रहे थे।

आगे-आगे चल रही थी कीर्तन मंडली

रथ के आगे-आगे कीर्तन मंडली के सदस्य मृदंग, झाल आदि से भजन कीर्तन गाते चल रहे थे। राधा ढूंढ रही थी किसी ने मेरा श्याम देखा.., कान्हा ने किया मिस कॉल राधा बोली हैलो-हैलो.., मुकुंद माधव गोविंद बोल, केशव माधव हरि हरि बोल.., श्याम तेरी वंशी पुकारे राधा नाम, मीरा का भी नाम वो तो राधा का भी नाम.., बड़ा नटखट है ये कृष्ण कन्हैया क्या कहे यशोदा मइया.., गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो.. आदि भजनों से पूरा वातावरण पूरे रास्ते भर गुंजायमान होते रहा। साथ में बैण्ड पार्टी भी चल रहा था। जगह जगह पर रथ का किया गया स्वागत भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान जगह जगह पर श्रद्धालुओं ने रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर पूजा अर्चना किया। रथ के विभिन्न जगहों पर गुजरने पर उसका स्वागत भी किया गया। अंबेदकर चौक के पास महिला समिति, बोकारो मॉल के समीप प्लॉटधारी एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से स्वागत करते हुए श्रद्धालुओं के बीच शरबत का वितरण किया गया।

- प्रभु जगन्नाथ के रंग में रंगे बोकारो के श्रद्धालु
- दर्शन के लिए पहुंचे हजारों की संख्या में श्रद्धालु
- बोकारो में रथ पर सवार होकर निकले भगवान जगन्नाथ
- रथ खींचने को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8बी में नन्हे बच्चों ने धूमधाम से मनाई श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

बोकारो : डी.ए.वी. इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8बी के प्रांगण में आज श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर एक भव्य और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव में नर्सरी से लेकर कक्षा दूसरी (रइ. 2) तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर 'जय जगन्नाथ' और 'हरे कृष्णा' के शंखनाद व भजनों से गूंज उठा। रथ और मूर्तियों का निमार्ण: नन्हे बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए स्वयं अपने हाथों से भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी की अत्यंत सुंदर मूर्तियां बनाई और एक आकर्षक रथ का निर्माण भी किया। मनमोहक नाटक और नृत्य: बच्चों ने जगन्नाथ रथ यात्रा के महात्म्य को दशार्ते हुए एक सुंदर लघु नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही, पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चों ने मनभावन सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। सुमधुर भजन गायन: नन्हे कलाकारों ने सुरीली आवाज में भगवान जगन्नाथ के भजन गाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्राचार्य एवं शिक्षकों का रहा सराहनीय सहयोग इस पूरे सफल आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य श्री अनुपल सागर और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं प्रशांत कुमार भावना, ज्योत्सना ,कोमल, चित्रा ,आशा,तन्नू,पुतुल,काजल, रेणु और अंकिता आदि का मार्गदर्शन व सराहनीय सहयोग रहा। शिक्षकों की देखरेख में बच्चों ने इस पूरे कार्यक्रम की तैयारियां की थीं। बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए प्राचार्य श्री अनुपल सागर ने कहा: ऐसे सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों से बच्चों में अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान पैदा होता है। इतनी कम उम्र में बच्चों द्वारा की गई यह प्रस्तुतियां और उनकी रचनात्मकता वाकई सराहनीय है। पूरा विद्यालय परिवार इन बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करता है। कार्यक्रम के समापन पर इस सफल आयोजन के लिए प्राचार्य जी ने सभी शिक्षकों, सहयोगी स्टाफ और प्यारे बच्चों को बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में अवैध अंग्रेजी शराब का बड़ा जखीरा बरामद, एक गिरफ्तार

बोकारो : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम चुट्टे (खरना) बाजारटांड़ स्थित कुंजलाल महतो के घर से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी कुंजलाल महतो (30 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के चुट्टे बाजारटांड़ के पास कुंजलाल महतो अपने घर से अवैध विदेशी शराब का कारोबार कर रहा है और बड़ी मात्रा में शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद थाना प्रभारी ने वरीय अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर गोमिया अंचल के पुलिस निरीक्षक अनिल कच्छप के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। छापेमारी टीम ने कुंजलाल महतो के घर की विधिवत तलाशी ली, जहां विभिन्न ब्रांडों की अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब को जब्त कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में चतरोचट्टी थाना कांड संख्या-36/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 274, 275, 292 एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 47A के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। **जब्त शराब का विवरण:** GOD FATHER बीयर 650 एमएल – 12 पीस, BAD MONKE बीयर 650 एमएल – 12 पीस, GOD FATHER कैन बीयर 500 एमएल – 12 पीस, 8 PM विदेशी शराब 180 एमएल – 6 पीस, 8 PM विदेशी शराब 375 एमएल – 4 पीस, ROYAL STAG विदेशी शराब 180 एमएल – 10 पीस, ROYAL STAG विदेशी शराब 375 एमएल – 2 पीस, ROYAL JHARKHAND शराब 300 एमएल – 25 पीस, Mc Dowells विदेशी शराब 180 एमएल – 12 पीस, Mc Dowells विदेशी शराब 375 एमएल – 4 पीस, छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक अनिल कच्छप, चतरोचट्टी थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार, आईईएल थाना प्रभारी श्यामल मंडल सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संगीतकार मदन मोहन की याद में बोकारो में सजी सुरों की महफिल

बोकारो : फिल्म संगीत के महान संगीतकार मदन मोहन की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में बुधवार की देर शाम सेक्टर 12 में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले आयोजित इस संगीत संध्या में कलाकारों ने मदन मोहन द्वारा संगीतबद्ध कुछ चर्चित गीतों को गाकर उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरूआत मदन मोहन की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। गायक अरुण पाठक ने कहा कि हिन्दी फिल्मों के संगीत को मधुर धुनों से सजानेवाले स्वर्णिम युग के बेहतरीन संगीतकारों में मदन मोहन का नाम बहुत ही आदर के साथ लिया जाता है। उनके द्वारा संगीतबद्ध प्राय: सभी फिल्मों के गीत काफी लोकप्रिय हुए। उनके संगीत निर्देशन में लता मंगेशकर, मो रफी, मुकेश, आशा भोसले, किशोर कुमार, तलत महमूद, सुमन कल्याणपुर समेत लगभग सभी प्रसिद्ध गायक-गायिकाओं ने यादगाए नग्में गाए। रमण चौधरी ने कहा कि मदन मोहन के संगीत में जो मिठास है उसके कायल आज भी संगीत प्रेमी श्रोता हैं। सोमेश मिश्रा ने कहा कि मदन मोहन को गजल का बादशाह कहा जाता था। उनके द्वारा संगीतबद्ध फिल्मों में लता व मो रफी ने कई यादगार गजल भी गाए हैं। इस अवसर पर गायक अरुण पाठक ने आखिरी गीत मुहब्बत का सुना लूं तो चलूं..., दिल ढूंढ़ता है फिर वही फुर्सत के रात-दिन.., अगर मुझसे मुहब्बत है मुझे सब अपने गम दे दो..., आपके पहलू में आकर रो दिए..., भूली हुई यादों मुझे इतना ना सताओ... आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रमण चौधरी ने ये दुनियां ये मेहफिल मेरे काम की नहीं..., बस्ती-बस्ती पर्वत-पर्वत गाता जाए बंजारा.., सोमेश मिश्रा ने रश्में उल्फत को निभाएं तो निभाएं कैसे.., रुके-रुके से कदम..., रंजू सिंह ने आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे.., अगर मुझसे मुहब्बत है.., सुनीता गुप्ता ने लग जा गले.., मिलो ना तुम तो हम घबराए.., रंजना सिन्हा ने तू जहां-जहां चलेगा मेरा साया साथ होगा.. की भावपूर्ण प्रस्तुति से मदन मोहन जी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में हाल में दिवंगत हुई महान लोककलाकार तीजन बाई और बोकारो के तबला वादक प्रणव मिश्रा के असामयिक निधन पर शोक जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस मौके पर पूर्णेन्दु कुमार सिंह, श्वेता प्रियदर्शिनी, रिद्धिमा रिया, स्पंदन, ऐश्वर्या समेत अन्य संगीतप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन रमण चौधरी व रागिनी सिन्हा अंबष्ठ के संयोजन में हुआ।

रथ यात्रा के अवसर पर जायसवाल महिला समिति द्वारा शर्बत एवं शीतल जल सेवा

बोकारो : जायसवाल समाज (सर्ववर्गीय), बोकारो के तत्वावधान में जायसवाल महिला समिति द्वारा भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा के अवसर पर बी.आर.एल. मोड़ पर श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल एवं शर्बत सेवा का आयोजन किया गया। समाज के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से देश एवं प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का वास हो। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को ठंडा पानी एवं शर्बत वितरित कर सेवा का पुण्य कार्य किया। इस अवसर पर जायसवाल महिला समिति की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में नवनीत गुप्ता, अशोक कुमार, बिनोद गुप्ता, ज्ञानचंद जायसवाल, मनोज जय, विनोद कुमार, तारणी जायसवाल, सुलोचना गुप्ता,छाया जायसवाल ,कविता प्रिय सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

7 वर्षीय मासूम बालक के साथ दो लड़कों द्वारा अप्राकृतिक यौनाचार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के बोकारो के कसमार थाना क्षेत्र में 14 जुलाई को महज एक किलोमीटर की दूरी पर मानवता को शर्मसार करने वाला एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक गांव में सात वर्षीय मासूम बालक के साथ दो लड़कों द्वारा अप्राकृतिक यौनाचार किया शिकायत के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले उसका बेटा गांव में आम चुनने गया था। इसी दौरान गांव के ही दो लड़कों ने उसे जबरन पकड़ लिया और एक सुनसान जगह पर ले जाकर रस्सी से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने मासूम के साथ क्रूरतापूर्वक अप्राकृतिक यौनाचार किया और किसी को भी इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

इस घटना के बाद से मासूम बुरी तरह डरा हुआ था और उसके प्राइवेट पार्ट में तेज दर्द था, लेकिन जब उसने स्कूल जाने से साफ मना कर दिया, तो मां को संदेह हुआ. जब मासूम की मां ने कड़ाई से पूछताछ की तब मासूम ने सहमे हुए पूरी बात सुनाई।

पीड़ित बच्चे की मां का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने स्कूल के शिक्षकों से भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन या शिक्षकों की ओर से इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। अंततः न्याय की गुहार लगाते हुए मां ने कसमार थाने में दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ लिखित आवेदन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। इधर गुरुवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस खबर की संज्ञान ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पोक्सो एक्ट और अन्य संबंधित गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आज बोकारो के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बताया कि मामले में शामिल दोनों विधि-विरुद्ध किशोरों के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि दोनों किशोरों की काउंसलिंग कराई गई, ताकि उनके व्यवहार और मानसिक स्थिति का आकलन किया जा सके। इसके बाद न्यायिक प्रक्रिया का पालन करते हुए दोनों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

कुकड़ू में श्रद्धा के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू : सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निकाली गई। रथ यात्रा हाट टोला से प्रारंभ होकर मौसीबाड़ी तक पहुंची। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा के दर्शन कर रथ खींचा तथा क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा हमारी आस्था, संस्कृति और

सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर सभी को आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ समाज व क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की।रथ यात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बोकारो में साइबर गिरोह का भंडाफोड़: नौ लोग गिरफ्तार, कई बैंक खाते और सिम जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रतिबिंब ऐप से प्राप्त सूचना के आधार पर बोकारो पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी में संलिप्त नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने बुधवार रात सेक्टर-12 और माराफारी थाना क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपियों को दबोचा। अभियान का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पवन कुमार ने किया, जबकि साइबर थाना, तकनीकी शाखा और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम कार्रवाई में शामिल रही।

इस संबंध में साइबर थाना में कांड संख्या 24/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), दूरसंचार अधिनियम-2023 तथा आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने साइबर ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी खुद को कभी ट्रैवल एजेंसी का प्रतिनिधि तो कभी बैंककर्मी बताकर लोगों को झांसे में लेते थे और बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल कर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से साइबर अपराध में प्रयुक्त 10 मोबाइल फोन, 9 अतिरिक्त सिम कार्ड, 18 बैंक पासबुक, 3 चेकबुक, 10 डेबिट कार्ड, एक पैन कार्ड, एक ही नंबर वाले दो आधार कार्ड तथा 43,100 रुपये नकद बरामद किए हैं। जांच में कुछ बैंक खातों से लाखों रुपये के लेन-देन के संकेत मिले हैं। पुलिस ने संबंधित खातों पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस का मानना है कि गिरोह के अन्य सदस्य भी सक्रिय हो सकते हैं। पूछताछ के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गिरोह का नेटवर्क अन्य जिलों या राज्यों तक फैला हुआ है या नहीं।

गिरफ्तार आरोपियों में बोकारो और बिहार के पटना, नवादा तथा जमुई जिलों के निवासी शामिल हैं।

पुलिस की अपील

बोकारो पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अजनबी के कहने पर अपनी बैंकिंग या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल या निकटतम साइबर थाना से संपर्क करें। इसके अलावा पुलिस ने मकान मालिकों से भी किरायेदार रखने से पहले अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किराए के मकान में संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर मकान मालिक के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में हर दो महीने में बदलेंगे चेकपोस्ट प्रभारी, जानिए शराब तस्करों पर लगाम कसने का नया एक्शन प्लान

पटना (एजेंसी) बिहार में शराब तस्करी रोकने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. अब सभी उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारियों का हर दो महीने में तबादला होगा और चेकपोस्ट की 24 घंटे लाइव निगरानी कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से की जाएगी. बिहार में शराब तस्करी पर लगाम कसने के लिए मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है. अब राज्य के सभी उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारियों का हर दो महीने में तबादला किया जाएगा. साथ ही सभी चेकपोस्ट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से होगी. सचिव ने किया औचक निरीक्षण विभागीय सचिव नवीन कुमार ने बुधवार को कुम्हरार स्थित मुख्य उत्पाद रसायन परीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और चेकपोस्ट प्रभारियों को कई अहम निर्देश दिए. वाहनों की जांच में नहीं होगी लापरवाही सचिव ने कहा कि ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए. सभी जरूरी अभिलेख नियमित रूप से अपडेट किए जाएं. साथ ही चेकपोस्ट से गुजरने वाले हर संदिग्ध वाहन की विभागीय उपकरणों से अनिवार्य जांच की जाए. डिजिटल लॉक का होगा प्रचार बिहार में प्रवेश करने वाले अल्कोहल से जुड़े वाहनों में डिजिटल लॉक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए पोस्टर और बैनर लगाने के निर्देश दिए गए. विभाग की दो एजेंसियों के कामकाज पर सचिव ने नाराजगी जताई और भविष्य में सुधार की चेतावनी भी दी. 48 घंटे में देनी होगी जांच रिपोर्ट निरीक्षण के दौरान इथेनॉल में मिलाए जाने वाले विकारक को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. सचिव ने स्पष्ट कहा कि जब्त नमूनों की रासायनिक जांच रिपोर्ट 48 घंटे के भीतर उपलब्ध कराई जाए, ताकि कार्रवाई में देरी न हो. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें ड्रोन से होगी कड़ी निगरानी सचिव ने ड्रोन कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया. उन्होंने विभिन्न जिलों से मिल रही लाइव फीड देखी और निर्देश दिया कि ड्रोन के जरिए अवैध शराब निर्माण और तस्करी पर और प्रभावी निगरानी रखी जाए. वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त मद्यनिषेध कृष्ण कुमार, संयुक्त सचिव एवं उपायुक्त मद्यनिषेध संजय कुमार समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. विभाग का कहना है कि इन कदमों से शराब तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी.

IRCTC मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को फिलहाल राहत, अब 31 जुलाई को आएगा अदालत का अगला फैसला

पटना (एजेंसी) मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से फिलहाल राहत मिल गई है. अदालत ने आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है और अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी. : आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को फिलहाल राहत मिली है. गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट इस मामले में आरोप तय करने पर फैसला नहीं सुना सकी. अब अदालत 31 जुलाई को इस पर अगला आदेश देगी. ईडी ने दाखिल की है चार्जशीट इस मामले की जांच प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) कर रहा है. ईडी ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कीहै. एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े तथ्य सामने आए हैं. क्या है पूरा मामला? यह मामला उस समय का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मंत्री थे. आरोप है कि वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेलवे के होटलों के रखरखाव और संचालन का ठेका निजी कंपनी को देने में अनियमितता की गई. जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के रांची और पुरी स्थित दो होटलों के विकास, संचालन और रखरखाव का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया था. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें जमीन के बदले ठेका देने का आरोप ईडी का आरोप है कि इस ठे-के के बदले लालू परिवार को पटना में कीमती जमीन बेहद कम कीमत पर ट्रांसफर की गई. जांच में यह भी दावा किया गया है कि बाद में इस जमीन को बेनामी संपत्तियों और शेल कंपनियों के जरिए परिवार के सदस्यों के नाम पर स्थानांतरित किया गया. इन्हीं कथित वित्तीय लेन-देन और अवैध कमाई के आरोपों को आधार बनाकर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था. अब 31 जुलाई पर टिकी नजर फिलहाल अदालत ने आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है. अब 31 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई में यह साफ होगा कि अदालत इस मामले में आरोप तय करती है या नहीं. इस फैसले पर लालू परिवार और ईडी, दोनों की नजरें टिकी हुई हैं.

पटना सिटी में 111 साल पुरानी परंपरा कायम, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में दिखेगी भव्य आस्था

पटना (एजेंसी) पटना सिटी में 131 साल पुरानी भगवान जगन्नाथ मंदिर की रथयात्रा परंपरा इस वर्ष भी जारी है। 15 फीट ऊंचे रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा नगर भ्रमण करेंगे। पटना सिटी से अमिताभ श्रीवास्तव पटना सिटी के मच्छरहट्टा के गोपीनाथ गली स्थित 131 वर्ष प्राचीन भगवान जगन्नाथ मंदिर से पिछले 111 वर्षों से रथयात्रा निकालने की परंपरा चली आ रही है. इस वर्ष भी गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी. रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है. 15 फीट ऊंचे रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण

करेंगे भगवान मंदिर के आचार्य रामानंद पांडे ने बताया कि वैदिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं को 15 फीट ऊंचे और 16 चक्कों वाले रथ पर विराजमान कराया जाएगा. इसके बाद रथयात्रा अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग से होते हुए लल्लू बाबू के कुचा स्थित मंदिर तक पहुंचेगी. उन्होंने बताया कि मंदिर में भगवान जगन्नाथ के साथ माता लक्ष्मी भी विराजमान हैं. रथयात्रा के दौरान भगवान की प्रतिमाएं नगर भ्रमण के लिए निकलती हैं. 13 दिनों तक भक्तों को मिलेगा अलग-अलग श्रृंगार दर्शन आचार्य रामानंद पांडे ने बताया कि मंदिर में भगवान जगन्नाथ 13 दिनों तक प्रवास करेंगे. इस दौरान नवमी से चतुर्दशी तक प्रतिदिन अलग-अलग झांकी और श्रृंगार दर्शन कराया जाएगा. पहले दिन भगवान गरुड़ वाहन पर दर्शन देंगे. इसके अलावा गोवर्धन पर्वत, श्री लड्डू गोपाल, राजगद्दी और कालिया नाग श्रृंगार जैसी झांकियां भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी. गुरु पूर्णिमा पर लौटेगी रथयात्रा, होंगे धार्मिक आयोजन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मौसी बाड़ी से वापस लौटेगी. बेगमपुर जल्ला स्थित हनुमान मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान के बाद भगवान जगन्नाथ का प्रवास कराया गया है. मंदिर न्यास के प्रदीप जैन और प्रबंधक बालाजी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. 216 वर्ष पुराने मंदिर में अचल स्वरूप में विराजमान हैं भगवान पटना सिटी के दीवान मोहल्ला नौजर घाट स्थित 216 वर्ष पुराने जगन्नाथ बाड़ी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की अचल प्रतिमाएं विराजमान हैं. मंदिर के पुजारी आचार्य विष्णुकांत झा ने बताया कि यहां प्रतीकात्मक रथयात्रा के बाद पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण किया गया. रथ वापसी के दिन 29 जुलाई को मंदिर में अचल उत्सव और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होगा. 26 जुलाई को निकलेगी नगर भ्रमण शोभायात्रा महाराजा कुंवर रूप नारायण सिंह ट्रस्ट के कमल नयन श्रीवास्तव और सचिव संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की नगर भ्रमण शोभायात्रा 26 जुलाई को मंदिर परिसर से निकाली जाएगी. यह शोभायात्रा गायघाट स्थित चैतन्य मंदिर होते हुए वापस जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगी. आयोजन को लेकर मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं.

बंटी यादव और पंकज राय हत्याकांड में खेसारी लाल यादव की एंट्री, CM सम्राट चौधरी से की यह मांग

पटना (एजेंसी) भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव ने बंटी यादव और पंकज राय की निर्मम हत्याओं पर दुख जताया है. उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से दोनों मामलों की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है. पटना के न्यू करबिगहिया निवासी बंटी यादव और छपरा के पंकज राय की हत्या के मामले में अब भोजपुरी अभिनेता और गायक खेसारी लाल यादव भी खुलकर सामने आए हैं. उन्होंने दोनों मामलों की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है. साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है. एक्स पर पोस्ट कर जताया दुख बुधवार को खेसारी लाल यादव ने अपने एक्स () अकाउंट पर पोस्ट करते हुए दोनों हत्याओं पर

गहरा दुख जताया. उन्होंने लिखा कि बंटी और पंकज की निर्मम हत्या ने उन्हें बेहद व्यथित और आक्रोशित किया है. उनका कहना है कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए. उन्होंने पीड़ित परिवारों के दुख को असहनीय बताया. खेसारी लाल यादव ने अपने पोस्ट में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि जिस तरह भरत तिवारी को न्याय दिलाने के लिए लोगों ने एकजुट होकर आवाज उठाई थी, उसी तरह अब बंटी यादव और पंकज राय के परिवार के लिए भी सबको साथ आना चाहिए. उन्होंने लोगों से जाति, धर्म और राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर न्याय की मांग करने की अपील की. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें मुख्यमंत्री से की बड़ी मांग खेसारी लाल यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से अनुरोध किया कि दोनों मामलों की निष्पक्ष और तेज जांच कराई जाए. उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा मिलनी चाहिए. इससे कानून के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत होगा.

जल्द करेंगे पीड़ित परिवार से मुलाकात खेसारी लाल यादव ने यह भी कहा कि वह जल्द ही दोनों पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे. इस मुश्किल समय में उनका साथ देंगे और हरसंभव मदद करने की कोशिश करेंगे. उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार खुद को अकेला न समझे, वह उनके साथ खड़े रहेंगे.

बांकीपुर उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर को एक और झटका, केसी सिन्हा के बाद अब चेतना झांब और श्रुति श्री भी छोड़ेंगी जन सुराज

पटना (एजेंसी) बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को लगातार झटके लग रहे हैं. फिल्म निमार्ता चेतना झांब और फतुहा की प्रखंड प्रमुख श्रुति श्री गुरुवार को भाजपा की सदस्यता लेंगी. इससे पहले प्रो. केसी सिन्हा समेत कई नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं. बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को लगातार झटके लग रहे हैं. बुधवार को कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद गुरुवार को भी दो और बड़े नाम पार्टी छोड़ने जा रहे हैं. इससे चुनाव से पहले जन सुराज की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. आज चेतना झांब और श्रुति श्री करेंगी बीजेपी जॉइन सूत्रों के मुताबिक, फिल्म निमार्ता चेतना झांब और फतुहा की प्रखंड प्रमुख श्रुति श्री गुरुवार को भाजपा की सदस्यता लेंगी. दोनों नेताओं का बीजेपी में जाना जन सुराज के लिए नुकसान माना जा रहा है. प्रो. केसी सिन्हा समेत कई नेता हुए बीजेपी में शामिल इससे पहले 2025

के बिहार विधानसभा चुनाव में बांकीपुर सीट से जनसुराज के उम्मीदवार रहे प्रो. केसी सिन्हा ने बुधवार को भाजपा का दामन थाम लिया. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई. उनके साथ जनसुराज के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए. वहीं, दीघा विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी बिट्टू सिंह और मनेर से पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह ने भी बीजेपी की सदस्यता ली. प्रशांत किशोर के खिलाफ लगा पोस्टर पटना में प्रशांत किशोर को लेकर एक पोस्टर भी चर्चा का विषय बना हुआ है. पोस्टर में लिखा है कि केसी सिन्हा तो सिर्फ झांकी है, जमानत जब्त होना अभी बाकी है. इनको वोट नहीं, नोट चाहिए. पोस्टर के नीचे सौजन्यः बांकीपुर की जनता लिखा गया है. पोस्टर में प्रशांत किशोर को टोपी और गमछा पहने दिखाया गया है. बीजेपी में आते ही साधा निशाना भाजपा में शामिल होने के बाद गोपाल सिंह ने कहा कि अहंकारी व्यक्ति संगठन नहीं चला सकता. उनका आरोप था

नए लुक में दिखेगा पटना जंक्शन, मॉडर्न पार्किंग की होगी सुविधा, लगभग 493 करोड़ किए जायेंगे खर्च

पटना (एजेंसी) पटना जंक्शन पर यात्रियों को नई सुविधाएं मिलने वाली हैं. इस स्टेशन के रिमॉडलिंग का काम किया जाएगा. इससे जंक्शन का लुक पहले से कई ज्यादा बेहतर हो सकेगा. संभावना जताई जा रही है कि 2028 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा. आने वाले दिनों में पटना जंक्शन का नजारा पूरी तरह बदलने वाला है. रेलवे ने पटना जंक्शन के 493 करोड़ रुपये के मेगा रिमॉडलिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है. दिसंबर 2026 तक इस परियोजना पर काम शुरू होने की संभावना है. इसका उद्देश्य स्टेशन को मॉडर्न, स्मार्ट और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाना है. पहले फेज में होगा पार्सल बिल्डिंग का निर्माण प्रोजेक्ट के पहले फेज में नई पार्सल बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा. इस दौरान करबिगहिया स्थित न्यू पार्किंग में अस्थायी शेड बनाकर पार्सल बुकिंग की व्यवस्था की जाएगी. नई पार्सल बिल्डिंग तैयार होने के बाद जनरल और रिजर्वेशन टिकट काउंटरों को अस्थायी रूप से वहीं शिफ्ट किया जाएगा. इसके बाद पुराने टिकट हॉल और मुख्य स्टेशन भवन को फेज वाइज तोड़कर नए तरह से विकसित किया जाएगा. बताया जा रहा है कि 2028 तक पूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य है. फुट ओवरब्रिज को किया जाएगा चौड़ा इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत यात्रियों की सुविधा पर विशेष ध्यान है. मिली जानकारी के अनुसार, फुट ओवरब्रिज (एफओबी) को वर्तमान से दोगुना चौड़ा किया जाएगा. साथ ही इनमें बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट भी लगाए जाएंगे. पटना जंक्शन पर इस नई व्यवस्था से यात्रियों को पहले से और भी बेहतर सुविधा मिल सकेगी. इस तरह के पार्किंग की होगी सुविधा इसके अलावा स्टेशन के बाहर पार्किंग व्यवस्था भी पूरी तरह बदली जाएगी. दूध मार्केट से जीपीओ के पास मीठापुर आरओबी तक मॉडर्न पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी. यहां पर कार और बाइक के लिए अलग-अलग जोन होंगे. यहां 4000 से ज्यादा गाड़ियों की पार्किंग क्षमता होगी, जिससे जाम और अव्यवस्था में काफी कमी आने की उम्मीद ह

दरभंगा से दिल्ली जाने वालों को बड़ा झटका, अकासा एयर ने घटाई उड़ानें, बढ़ सकता है हवाई किराया

पटना (एजेंसी) दरभंगा से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बुरी खबर है. अकासा एयर ने दरभंगा-दिल्ली रूट पर अपनी साप्ताहिक उड़ानों में कटौती कर दी है. यह निर्णय यात्रियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है, खासकर जब यह रूट बिहार के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है. दरभंगा एयरपोर्ट से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है. विमानन कंपनी अकासा एयर ने दरभंगा-दिल्ली रूट पर अपनी उड़ानों में कटौती कर दी है. पहले जहां कंपनी सप्ताह में छह दिन इस रूट पर सेवा देती थी, वहीं अब एक जुलाई से केवल सोमवार, शुक्रवार और रविवार को ही उड़ानों का संचालन किया जा रहा है. कंपनी ने इसके पीछे बढ़ती ईंधन लागत और

परिचालन खर्च को वजह बताया है. इस फैसले से यात्रियों की परेशानी बढ़ने के साथ ही हवाई किराया महंगा होने की आशंका भी जताई जा रही है. कम की गईं उड़ानें? विमानन क्षेत्र से जुड़े जानकारों के अनुसार, हाल के दिनों में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है. इसके अलावा विमानों की उपलब्धता भी एयरलाइंस के लिए चुनौती बनी हुई है. ऐसे में कई कंपनियां अपने नेटवर्क और उड़ानों की संख्या की समीक्षा कर रही हैं. इसी क्रम में अकासा एयर ने दरभंगा-दिल्ली रूट पर उड़ानों की संख्या घटा दी है. यात्रियों पर क्या पड़ेगा असर?

उड़ानों की संख्या कम होने से यात्रियों के पास विकल्प सीमित हो गए हैं. अब सप्ताह में सिर्फ तीन दिन ही अकासा एयर की सेवा उपलब्ध होगी. इससे टिकटों की मांग बढ़ सकती है और अन्य एयरलाइंस की उड़ानों पर भी दबाव बढ़ेगा. मांग बढ़ने की स्थिति में हवाई किराया भी महंगा हो सकता है. सबसे व्यस्त रूट में शामिल है दरभंगा-दिल्ली दरभंगा से दिल्ली का रूट बिहार के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों में गिना जाता है. इस रूट से रोज बड़ी संख्या में व्यवसायी, छात्र, मरीज, नौकरीपेशा लोग और प्रवासी यात्री सफर करते हैं. ऐसे में उड़ानों में कटौती का सीधा असर हजारों यात्रियों पर पड़ेगा. अब लोगों को पहले से यात्रा की योजना बनानी होगी और समय रहते टिकट बुक करानी होगी. इन शहरों के लिए मिलती है सीधी उड़ान फिलहाल दरभंगा एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए सीधी विमान सेवा संचालित हो रही है. वहीं कोलकाता के लिए सीधी उड़ान पहले से बंद है. यात्रियों को उम्मीद है कि परिचालन स्थितियां सामान्य होने पर अकासा एयर भविष्य में फिर से अपनी उड़ानों की संख्या बढ़ाएगी, जिससे यात्रा पहले की तरह आसान हो सके.

जानलेवा है हेपेटाइटिस

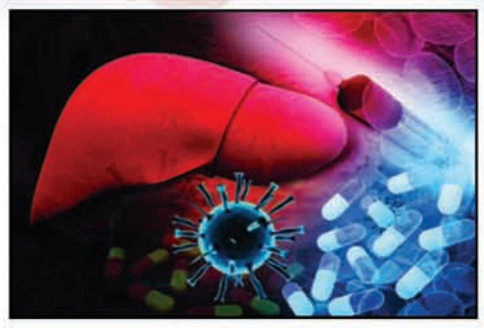

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।

हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।

पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए

शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

पोलार्ड अब गेल की लिस्ट में शामिल

T20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 बैटर, सिर्फ एक भारतीय सूची में शामिल

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान किरोन पोलार्ड ने बेहद तेज पारी खेली और वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 8 छक्के और एक चौके की मदद से 64 रन बनाए। ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 70वां अर्धशतक था साथ ही इन 8 छक्कों के दम पर किरोन पोलार्ड ने अब क्रिस गेल की खास लिस्ट में भी जगह बना ली।

किरोन पोलार्ड ने टी20 में पूरे किए 1000 छक्के- किरोन पोलार्ड अब टी20 प्रारूप में 1000 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में पहले अकेले सिर्फ क्रिस गेल ही थे, लेकिन अब पोलार्ड ने उन्हें ज्वाइन कर लिया है। क्रिस गेल ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में खेले 463 मैचों की 455 पारियों में कुल 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पोलार्ड की बात करें तो वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 746 मैचों की 663 पारियों में कुल 1001 छक्के लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आंद्रे रसेल हैं जिन्होंने 600 मैचों की 517 पारियों में 792 छक्के लगाए थे। वहीं निकोलस पूरन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा- राहुल द्रविड़ नंबर 5

टॉप पर रहे ये दोनों; आकाश चोपड़ा ने चुनी 6 बेस्ट कप्तान-कोच की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कप्तान-कोच की बेस्ट टॉप-6 जोड़ियों का चयन किया। उन्होंने इनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग की, लेकिन पहले नंबर पर उन्होंने किसी भारतीय कोच या कप्तान की जोड़ी को नहीं रखा। हालांकि टॉप-6 में उन्होंने 3 भारतीय

जोड़ी को जरूर जगह दी। इन जोड़ियों में रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़, विराट कोहली-रवि शास्त्री, सौरव गांगुली और जॉन राइट भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आकाश चोपड़ा ने किस जोड़ी को किस स्थान पर रखा।

रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ रहे पांचवें स्थान पर- आकाश चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर दुनिया की बेस्ट टॉप-6 कोच-कप्तान की जोड़ी के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी लिस्ट में छठे नंबर पर बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम हैं जिन्होंने बैजबॉल क्रिकेट खेली। ये मनोरंजक तो था, लेकिन इससे रिजल्ट अच्छे नहीं आ पाए। ऐसे में जब परिणाम नहीं है तो ये फिर क्या ही आपकी साझेदारी का प्रमाण है। आकाश ने नंबर 5 पर रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को रखा। रोहित और राहुल के बारे में आकाश ने कहा कि इनकी साझेदारी काफी अच्छी रही और इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप टाइटल भी जीता।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत ने बुडापेस्ट में जीता गोल्ड

प्लेऑफ में अजरबैजानी पहलवान को हरा दीपक ने नाम किया कांस्य पदक

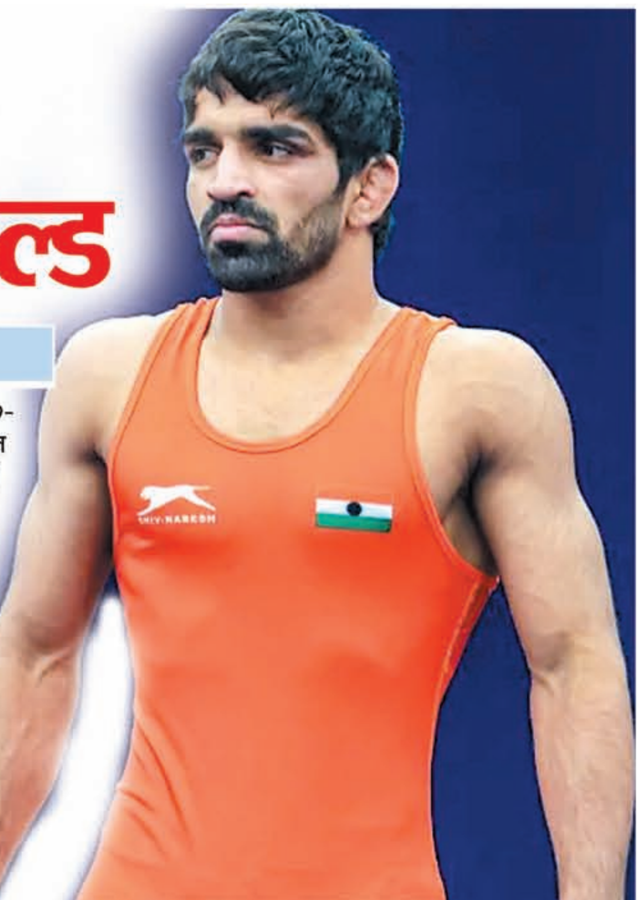

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिर अपना दम दिखाया है। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने हंगरी की राजधानी में बुडापेस्ट में आयोजित पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस एंड कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया।

अमन सहरावत ने फाइनल में जॉर्जिया के रोबेर्टी डिंगाशविली को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-3 से हराया। भारतीय दल के पदकों की संख्या तब बढ़ गई जब दीपक ने 61 किग्रा फ्रीस्टाइल में कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। दीपक ने प्लेऑफ में अजरबैजान के नुरद्दीन नोवरुजोव को 9-8 से हराया। दीपक के अलावा विशाल कालीरमाना (पुरुष 65 किग्रा) ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या तीन कर दी।

अप्रैल में एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपने पहले इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन सहरावत पेरिस 2024 में भारत के सबसे युवा ओलंपिक मेडलिस्ट बने थे।

4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं

22 साल के अमन सहरावत ने जॉर्जिया के निकोलोज बोचोरिशविली के खिलाफ 10-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल कर अपने अभियान की शुरुआत की। क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के ओलंपियन मीरामबेक कार्तबे को 10-3 से हराया। सेमीफाइनल में अजरबैजान के मौजूदा यूरोपियन चैंपियन इस्लाम बाजारगानोव को 11-0 से हराया। इस तरह अमन ने 4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं।

दीपक ने 0-8 से पिछड़ने के बाद 9-8 से जीता मुकाबला

इस बीच दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में अजरबैजानी पहलवान नुराद्दीन नोवरुजोव के खिलाफ 0-8 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और 9-8 से रोमांचक जीत हासिल की। इससे पहले भारतीय पहलवान क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के रामिज तुर्मानिद्जे को 7-4 से हराने के बाद सेमी-फाइनल में कजाकिस्तान के असिल ऐताकिन से 2-1 से हार गए थे। विशाल कालीरमाना ने कजाकिस्तान के ओसुमजान दस्तानबेक को 8-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। वह सेमीफाइनल में ईरान के अहमद इब्राहिमजादेह से क्राइटेरिया के आधार पर हार गए थे।

राहुल क्वार्टर फाइनल में हारे, अभिमन्यु नहीं कर पाए क्वालिफाई

राहुल 57 किग्रा भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि एशियन चैंपियन अभिमन्यु मंडवाल पुरुषों के फ्रीस्टाइल 70 किग्रा भारवर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए।
एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले पहलवान सागर जगलान (74 किग्रा) और मुकुल दहिया (86 किग्रा), साथ ही अमित (86 किग्रा) अपने-अपने भार वर्ग में पोडियम फिनिश (पदक नहीं जीतना) नहीं कर पाए।

अर्जेंटीना फाइनल में

इंग्लैंड को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल में उनका मुकाबला स्पेन से होगा जहां वे अपना खिताब बचाने और ऐसा करने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेंगे। अर्जेंटीना की इस जीत में लियोनेल मेसी एक बार फिर अहम भूमिका में रहे उन्होंने अपनी टीम के उन दोनों गोलों में असिस्ट किया जो एंजो फर्नांडीज और लॉटारो मार्टिनेज ने किए थे।

मेसी ने की माराडोना की बराबरी

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी लियोनेल मेसी सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने और सेमीफाइनल मुकाबला खेलने वाले 39 साल से ज्यादा उम्र के पहले आउटफील्ड खिलाड़ी बने। उन्होंने वेस्ट जर्मनी के फ्रिट्ज वाल्टर का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल और 236 दिन की उम्र में 1958 का फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेला था। लियोनेल मेसी डिएगो माराडोना (1986, 1990) के बाद अपनी टीम को लगातार दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान भी बन गए।

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड माराडोना की बराबरी की

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड

फाइनल में पहुंचने के साथ ही मेसी ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। 39 साल 25 दिन की उम्र में लियोनेल मेसी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के गुन्नार ग्रेन का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल 241 दिन की उम्र में इटली के खिलाफ 1958 का वर्ल्ड कप फाइनल खेला था। इस तरह मेसी 39 साल की उम्र के बाद फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

प्लेयर	देश	उम्र	साल
लियोनेल मेसी	अर्जेंटीना	39 साल 25 दिन	2026
गुन्नार ग्रेन	स्वीडन	37 साल 241 दिन	1958
निल्टन सैंटोस	ब्राजील	37 साल 32 दिन	1962
ओलिवियर गिरौड	फ्रांस	36 साल 79 दिन	2022
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	36 साल 34 दिन	2014
निल्स लीडहोम	स्वीडन	35 साल 264 दिन	1958

वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड एक साथ टूटा

- निकोलस पूरन ने ठोका तूफानी शतक, लगाए 13 छक्के 5 चौके

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ तूफानी शतकीय पारी खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। पूरन ने इस मैच में अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इन तीनों दिग्गजों से टी20 क्रिकेट में कम गेंदों पर शतक लगाने के मामले में आगे निकल गए।

निकोलस पूरन ने तोड़ा वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड- निकोलस पूरन ने एमआई न्यूयॉर्क के लिए तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इस मैच में 33 गेंदों पर 106 रन की पारी खेली। पूरन ने अपनी पारी के दौरान 13 छक्के और 5 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 321.21 का रहा। पूरन की इस पारी के दम पर इस टीम ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

पीवी सिंधु ने सिर्फ 35 मिनट में दुनिया की 5वें नंबर की शटलर को हराया

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार 16 जुलाई 2026 को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू को हराया। पीवी सिंधु की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग (विमेंस सिंगल्स) में 10 है।

भारतीय शटलर ने दूसरे दौर के मुकाबले में बेहतर रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 21-16, 21-14 से शानदार जीत दर्ज करने में सिर्फ 35 मिनट का समय लिया। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को कोई वरीयता नहीं दी गई है। यह नतीजा इस सीजन में पीवी सिंधु के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती निपटते हुए चीनी खिलाड़ी पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया।

पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे बनाया दबदबा- शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि हान यू खेल की गति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पीवी सिंधु धीरे-धीरे मैच में जम गईं।

- **अब जापानी शटलर से होगी पीवी सिंधु की भिड़ंत-** पीवी सिंधु ने अपनी सटीकता और कोर्ट कवरेज बनाए रखी और अंतत: 21-14 से जीतकर शानदार विजय हासिल की। इस जीत के साथ पीवी सिंधु ने हान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। 31 वर्षीय पीवी सिंधु का अगला मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा। नोजोमी ओकुहारा को साउथ कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग के दूसरे दौर के मैच से हटने के बाद वॉकओवर मिला। टूर्नामेंट अन्य भारतीय शटलरों की बात करें तो मिक्स्ड डबल्स में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड की जूली मैकफर्सन और एलेक्जेंडर डन को सिर्फ 38 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया था। राउंड ऑफ 16 में तनीषा और ध्रुव का चीन की हुआंग डोंग पिंग और फेंग यान झी से मुकाबला हुआ।

स्मिथ-गौस के शतक से जीता वाशिंगटन फ्रीडम

टूटा पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड; पूरन-पोलार्ड की पारी बेकार, MI न्यूयॉर्क बाहर

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस की शतकीय पारी के दम पर एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हरा दिया और चैलेंजर राउंड में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स से होगा।

इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया और पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड टूट गया। वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया काफी रोमांचक और हाई स्कोरिंग रहा। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

स्टीव स्मिथ और गौस ने लगाए शतक

वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 267 रन का टारगेट मिला था जो काफी मुश्किल था, लेकिन इस टीम के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 48 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों के साथ नाबाद 110 रन की पारी खेली। स्मिथ ने अपना शतक इस दौरान 40 गेंदों पर पूरा किया। वहीं एंड्रिस गौस ने 12 छक्के और 10 चौकों की मदद से 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। स्मिथ और गौस के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 गेंदों पर 241 रन की साझेदारी भी हुई। एमआई न्यूयॉर्क के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

लक्ष्य ने श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

295 रन की साझेदारी कर तोड़ा 29 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में इंडिया अंडर 19 टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने गजब का पारी खेली और दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में सागर विर्क के साथ पहले विकेट के लिए 295 रन की साझेदारी की और 29 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा जो यूथ टेस्ट में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने बनाए थे। हालांकि लक्ष्य और सागर, गौतम गंभीर और विनायक माने से आगे नहीं निकल पाए।

लक्ष्य ने लगाया दोहरा शतक- लक्ष्य ने इस मैच में गजब की पारी खेली और इंडिया अंडर 19 की पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने अपना शतक पहली पारी में 148 गेंदों पर चौका लगाकर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना दोहरा शतक 310 गेंदों पर लगाया। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। पहली पारी में उन्होंने 324 गेंदों पर 207 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 22 चौके भी

प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रहीं महिलाओं ने मांगी इच्छामृत्यु

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में पांच महिलाएं, जो प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रही हैं, उन्होंने अब डायलिसिस कराने से इनकार कर दिया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से या तो किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने या इच्छामृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इन महिलाओं ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जिला अधिकारियों को किडनी ट्रांसप्लांट सुनिश्चित करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद यह गंभीर कदम उठाया गया है। परिजनों का कहना है कि वे अपनी पत्नियों को इस तरह तड़पते हुए और नहीं देख सकते और अगर लिखित आश्वासन नहीं मिला तो वे उन्हें डायलिसिस के लिए लाना बंद कर देंगे। उनके अनुसार, ये महिलाएं चलती-फिरती लाशों की तरह जी रही हैं। मई की शुरुआत में बच्चे के जन्म के बाद से ही धन्नी सुमन, रागिनी मीणा, सुशीला महावर, पिंकी एयरवाल और आरती चौबदार नाम की इन महिलाओं की सेहत लगातार बिगड़ती गई है। वे 70 से अधिक दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और इस दौरान उन्हें 32 बार डायलिसिस से गुजरना पड़ा है। सुमन के पति मोहन लाल ने बताया कि उनकी पत्नी को अब डायलिसिस शब्द से ही डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के एक घंटे के भीतर ही उन्हें उल्टी होने लगती है, वे बुरी तरह कांपने लगती हैं और तेज बुखार आ जाता है। इसी तरह, रागिनी ने भी डायलिसिस को बेहद दर्दनाक बताया और शिकायत की कि लंबे समय तक चले इलाज के बावजूद उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। पिंकी और आरती तो डायलिसिस से मना कर अस्पताल से बाहर भी चली गईं, अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए। रागिनी के पति लोकेश मीना ने यह भी दावा किया कि वार्ड स्टाफ उन पर रोज डिस्चार्ज लेने का दबाव डाल रहा है। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) के अधिकारियों ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया है। एनएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन ने बताया कि सभी पांचों महिलाओं का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें 20 दिन पहले ही डिस्चार्ज करने की मंजूरी मिल गई थी और वे डायलिसिस सेशन के लिए अस्पताल आ सकती हैं। डॉ. जैन ने यह चेतावनी भी दी कि डायलिसिस से इनकार करना जानलेवा हो सकता है।

विद्युत संकट गंभीर समस्या, सांसद सैलजा ने सीएम को पत्र लिख की समाधान की मांग

सिरसा (एजेंसी)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कालांवाली शहर और आसपास के इलाकों में लगातार बनी हुई विद्युत संकट की समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है। पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा है कि चोरमार से कालांवाली आने वाली मुख्य विद्युत लाइन में बार-बार तकनीकी खराबियां आने से इलाके में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य संस्थानों, लघु उद्योगों तथा अन्य जरुरी सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में यह समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलजा ने सीएम सैनी से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर मुख्य विद्युत लाइन का तकनीकी परीक्षण, आवश्यक उन्नयन, क्षमता वृद्धि, मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कालांवाली एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े इस विषय का शीघ्र समाधान किया जाना जरुरी है।

संजय राउत ने सीएम फडणवीस से रामरक्षा कार्यक्रम में आने का किया आग्रह

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 19 जुलाई को नागपुर में आयोजित हो रहे रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने उन्हें एक पत्र भी लिखा है और पोस्ट करते हुए कहा कि सीएम फडणवीस, रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने जरूर आइए। हम सभी आपके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने पत्र में मुख्यमंत्री फडणवीस को प्रखर राष्ट्रभक्त और कट्टर हिंदुत्ववादी बताकर लिखा कि उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि वे भी अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। राउत ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों की तरह फडणवीस की भी यह इच्छा थी कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बने और अब वह सपना साकार हो चुका है। पत्र में राउत ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राम मंदिर को लेकर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। इसतरह के प्रचार से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस ध्यान में रखते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ओर से रामरक्षा अभियान शुरू किया गया है। संजय राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस से आग्रह किया है कि वे 19 जुलाई, को शाम 4-30 बजे नागपुर के रामनगर स्थित राम मंदिर में आयोजित रामरक्षा कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हों और वहां उपस्थित रामभक्तों का मार्गदर्शन करें। राउत के इस निमंत्रण को महाराष्ट्र की राजनीति में भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने राजनीतिक मतभेदों से अलग हटकर मुख्यमंत्री फडणवीस को खुले तौर पर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री फडणवीस निमंत्रण को स्वीकार करते हैं या नहीं।

दिल्ली में रफ्तार का कहर : डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को बुद्ध विहार-कंझावला रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने एक महिला को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रोहिणी निवासी प्रियंका के रूप में हुई है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। शव को सड़क से हटाने के बाद यातायात को सामान्य कराया गया। पुलिस ने हादसे में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह दर्दनाक हादसा दिल्ली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और हिट-एंड-रन मामलों की गंभीर स्थिति को दिखाता है। एक दिन पहले ही सिंघु बॉर्डर के पास ड्यूटी पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत हुई थी।

ममता से 30 साल पुरानी दोस्ती तोड़ कर किया आर-पार का ऐलान

राजनीति के 'गांधारी' और 'हिटलर' पर मदन मित्रा का तीखा वार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। तीन दशकों तक ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे कामारहाटी के विधायक मदन मित्रा ने अब पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी के साथ अपनी राजनीतिक दोस्ती को दरकिनार कर 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। मदन मित्रा का यह बागी तेवर राज्य की सियासत में नई बहस छेड़ चुका है।मदन मित्रा ने अपनी नाराजगी की मुख्य वजह पार्टी के भीतर का 'दमघोंटू' माहौल बताया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ समय से पार्टी में उनका दम घुट रहा था और काम करने के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं थीं। ममता बनर्जी के आसपास का दायरा सिमटने की बात करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए ममता को 'गांधारी' या 'धृतराष्ट्र' जैसी संज्ञा दी। मदन मित्रा का तंज साफ था कि नेतृत्व सब कुछ देखते हुए भी आंखें मूंदे बैठा है।

उन्होंने अभिषेक बनर्जी पर सीधा और सबसे तीखा हमला करते हुए उनकी तुलना 'हिटलर' से कर डाली। मदन मित्रा का आरोप है कि पार्टी में अब सिर्फ एक व्यक्ति की चलती है और जो उनके फैसलों पर सवाल उठाता है, उसकी मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे इस व्यवस्था से तंग आकर ही कालीघाट कैंप से दूरी बनाने पर मजबूर हुए हैं। हाल ही में चर्चा रही कि उन्होंने ममता बनर्जी से माफी मांगी है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए ममता को माफी का संदेश जरूर भेजा था क्योंकि वे आज भी उनका व्यक्तिगत सम्मान करते हैं। लेकिन उन्होंने साफ किया कि माफी मांगने का मतलब यह कतई नहीं है कि उनकी राजनीतिक परेशानियां खत्म हो गई हैं या वे पार्टी के तानाशाही रवैये से सहमत हैं। मदन मित्रा ने 21 जुलाई के कार्यक्रम और उसमें शामिल होने वाली भीड़ पर भी कटाक्ष किया। हाईकोर्ट के आदेश और भीड़ के दावों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य की राजनीति का चेहरा बदलने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी अजेय नहीं है और यदि विपक्षी ताकतें एकजुट हो जाएं, तो आने वाले एक साल के भीतर पश्चिम बंगाल की राजनीति की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी। उनके इस बगावती तेवर ने सत्ताधारी दल के अंदरूनी कलह को सार्वजनिक कर दिया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा : शंकराचार्य निश्चलानंद से धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं ने की मुलाकात

पुरी (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरीपीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। प्रधान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठ के पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य के श्रीचरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनका स्नेह और आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा एवं श्री जगन्नाथ संस्कृति के इस महान आध्यात्मिक केंद्र में उपस्थित होकर मन श्रद्धा, शांति और आनंद से अभिभूत है।

इससे पहले सीएम मोहन चरण माझी ने जगद्गुरु शंकराचार्य से मुलाकात की थी। उन्होंने आगे लिखा कि श्री गोवर्धन मठ में मुझे परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज की दिव्य उपस्थिति और उनके अमृतमयी आशीर्वाद को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने लिखा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मानवीय मूल्यों की स्थापना और सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए, परम पूज्य शंकराचार्य जी का अमूल्य जीवन-दर्शन और मार्गदर्शन सदैव एक प्रकाश-पुंज का कार्य करता है। जगद्गुरु की इस पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन ने मुझे राज्य की जनता की निरंतर सेवा के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भर दिया है। पुरी से बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने भी शंकराचार्य से मुकालात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा- आज श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में मुझे गोवर्धन मठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वतीजी महाराज के दर्शन और पवित्र आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पीएम मोदी आज आएंगे चंडीगढ़, ट्रैफिक पुलिस ने किया प्रमुख मार्गों को डायवर्ट

-लोगों को सलाह वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमाल, साइकिल ट्रैक, फुटपाथ खड़े ना करें वाहन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ आ रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है ताकि लोगों को आने-जाने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पुलिस के मुताबिक चंडीगढ़-नयागांव बैरियर से लेकर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज लाइट प्वाइंट और सेक्टर-2/3/10-11 चौक तक ट्रैफिक प्रभावित रह सकता है, जिसके चलते ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। वहीं लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 3 बजे तक इस रूट का इस्तेमाल करने से बचें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लें।

इसके अलावा ट्रैफिक की ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों, अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहन केवल तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। साइकिल ट्रैक, फुटपाथ या नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वाहनों को टो भी किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पीएम मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर के जरिए राजेंद्र पार्क जाएंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेंगे। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दो संभावित रूट तय किए हैं। पहले रूट के मुताबिक पीएम का काफिला राजेंद्र पार्क से रवाना होकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री आवासों के बीच वाले मार्ग से विज्ञान पथ होते हुए सीधे पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वहीं वैकल्पिक रूट के तहत काफिला राजेंद्र पार्क से निकलकर पंजाब के सीएम हाउस के सामने से गुजरते हुए नयागांव रोड के रास्ते पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज तक जाएगा। सुरक्षा कारणों से दोनों मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर इनमें से किसी भी रूट का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक अन्य वैकल्पिक रूट एयरपोर्ट से तैयार किया गया है, जिसके तहत काफिला एयरोपोर्ट स्थित एयरफोर्स एंट्री से रवाना होकर एयरपोर्ट चौक, ट्रिब्यून चौक, मध्य मार्ग, ट्रांसपोर्ट चौक और पंजाब राज्यभवन वाले रास्ते से विज्ञान पथ के रास्ते होते हुए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वांगचुक बोले-रिपोर्ट नॉर्मल है, इतनी जल्दी हार मानने वाला नहीं

संसद कूच की हुंकार : 19वें दिन भी डटे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली(एजेंसी)। लद्दाख की संवैधानिक सुरक्षा और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का आज 19वां दिन है। बिगड़ती सेहत के बीच वांगचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश की जनता से आगामी 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने की एक बेहद भावुक और बड़ी अपील की है।

लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्हें देशभर से हजारों आम नागरिकों, समाज के बड़े-बुजुर्गों और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के संदेश मिल रहे हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। कुछ शुभचिंतकों ने तो कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि सरकार उन्हें जबरन खाना खिला सके। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे आज खाना खा लेते हैं तो इससे सरकार को यही संदेश जाएगा कि जनता के प्रति जवाबदेही की कोई ज़रूरत नहीं है; लोग बैठते हैं और खुद ही उठकर चले जाते हैं। अपनी शारीरिक स्थिति पर चिंतित समर्थकों को ढाढस बंधाते हुए उन्होंने बताया कि 18 दिनों के अनशन के बावजूद उनके मेडिकल टेस्ट के रिज़ल्ट्स काफी नॉर्मल हैं। शरीर में कमजोरी जरूर बढ़ रही है और मांसपेशियां (मसल्स) खत्म हो रही हैं, लेकिन उनका दिल अभी भी ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे अभी इतने कमजोर नहीं हुए हैं कि दो-चार दिन में हिम्मत हार जाएं, और वे इस अनशन को कई दिनों तक आगे खींच सकते हैं।

वांगचुक ने देश की जनता से आग्रह किया कि वे सिर्फ उनसे अनशन तोड़ने के लिए न कहें, बल्कि खुद भी लद्दाख के इस हक की लड़ाई में एक छोटा कदम उठाएं। आगामी 20 जुलाई से देश की संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसे देखते हुए जंतर-मंतर पर पहले से ही परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चलो संसद अभियान के तहत एक शांतिपूर्ण मार्च निकालने की तैयारी चल रही है। वांगचुक ने इस प्रदर्शन के साथ एकजुटता जताते हुए जनता से अपील की कि 20 जुलाई को सभी लोग इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आएं कि सरकार तक एक अटूट संदेश पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब हम हज़ारों की संख्या में मिलकर लद्दाख के इस पूरे मुद्दे को देश की संसद के हवाले कर देंगे, तब उन्हें भरोसा हो जाएगा कि यह लड़ाई अब सही हाथों में चली गई है।

लाल किला एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह की भव्य तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों के मद्देनजर लाल किला परिसर को एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को देखते हुए यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि लाल किला 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्त होने तक आम जनता और पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पहले हर साल इस तरह का आदेश जारी किया जाता है।

सीता के पति... पर विवादित टिप्पणी मामले में फंसे कुणाल कामरा

जंतर-मंतर पर की टिप्पणी पर भड़के लोग

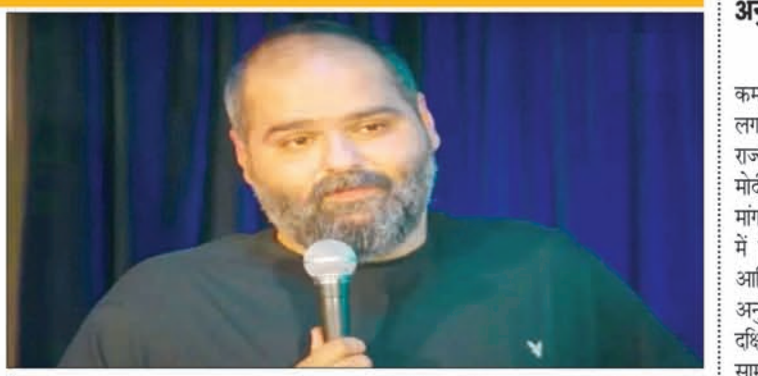

नई दिल्ली (एजेंसी)। हास्य कलाकार कुणाल कामरा ने जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के मंच से भगवान राम को लेकर एक बेहद विवादास्पद टिप्पणी कर दी, जिसके बाद उन्हें देश भर के लोगों की तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कामरा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, ये जो सरकार है और ये जो कर रही है, बहुत सालों से कर रही है। हमने देखा है कि ये लोग बस सीता के पति का नाम ले लेके नीता के पति का काम कर रहे हैं। कामरा का यह बयान स्पष्ट रूप से नीता अंबानी के पति मुकेश अंबानी की ओर इशारा कर रहा था। विपक्षी नेता और मोदी सरकार के आलोचक अक्सर सरकार पर अंबानी जैसे उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते रहे हैं। कामरा ने भी इसी तरह की आलोचना की, लेकिन भगवान राम का नाम लेने की बजाय जिस तरीके से उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मजाक किया और इस पर लोग हंसते हुए ताली बजाने लगे, उसको लेकर विशेष आपत्ति जाहिर की जा रही है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बीजेपी वाले सीता के पति का नाम लेके काम करते हैं। यह आज सीजेपी के मंच से कुणाल कामरा ने बोला। सीजेपी के मंच से लगातार भगवान श्री राम का अपमान हो रहा है। कुछ दिन पहले जय श्री राम के नारे को लेकर भी आपत्तिजनक बातें हुई थीं। एक अन्य यूजर ने दिल्ली पुलिस से कामरा और दीपके के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा, आज अभिजीत दीपके ने कुणाल कामरा को सीजेपी प्रदर्शन पर बुलाया। जैसे ही उन्हें स्टेज मिला, कामरा ने अपना भाषण शुरू किया और हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हुए बोला - सीता का पति। इस अश्लील मजाक पर अभिजीत दीपके ताली बजाते और हंसते नजर आए। करोड़ों हिंदू मां सीता की पूजा करते हैं। क्या ये लोग इस्लाम या ईसाई धर्म के पवित्र व्यक्तियों का भी ऐसे ही मजाक उड़ाने की हिम्मत करेंगे? यह घटना एक बार फिर धार्मिक भावनाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच की नाजुक रेखा पर बहस को तेज कर दिया है। इस बयान को लेकर कई लोग उन पर निशाना साध रहे हैं और दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कामरा की इस टिप्पणी को हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया जा रहा है। उनके साथ मंच पर मौजूद अभिजीत दीपके भी इस टिप्पणी पर तालियां बजाते और हंसते हुए दिखे, जिसके लिए उन्हें भी सार्वजनिक रूप से खूब कोसा जा रहा है।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

-राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

नौवीं में तीसरी भाषा बच्चों पर बढ़ाती है दबाव: सुप्रीम कोर्ट की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी कर कहा है कि नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा को अनिवार्य नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने बच्चों पर बढ़ते शैक्षिक दबाव और तनाव को देखकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। यह टिप्पणी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन भाषा नीति के खिलाफ चल रहे विवाद के बीच आई है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग मामले की सुनवाई के दौरान कही।

सुप्रीम कोर्ट जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई थी, इसमें तमिलनाडु सरकार को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवीएस) स्थापित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, जब नवोदय विद्यालय की ओर से पेश वकील ने तीसरी भाषा के नौवीं कक्षा से अनिवार्य होने का जिक्र किया, तब जस्टिस नागरत्ना ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, यह बहुत गलत बात है। सीबीएसई में नौवीं कक्षा अपने आप में ही तनावपूर्ण होती है। आप नौवीं क्लास में तीसरी भाषा क्यों लाते हैं? आप इस छठी क्लास में ही शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पांचवीं या छठी कक्षा में तीसरी भाषा शुरू कर देनी चाहिए और नौवीं कक्षा तक इसकी पढ़ाई खत्म होना चाहिए। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद कर बताया कि कैसे उनके समय में भी पढ़ाई का दबाव था, खासकर जब आईसीएसई और एसएसएलसी जैसे अलग-अलग पाठ्यक्रम साथ चलते थे। उन्होंने कहा, जब हमारे समय में ऐसी तैयारी थी, तब आज क्या स्थिति होगीज बच्चों पर कितना दबाव होता है, यह देखिए। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि नौवीं क्लास में कोई नई भाषा न रखी जाए, क्योंकि आठवीं क्लास के आखिर से ही छात्रों पर पढ़ाई का दबाव शुरू होता है।

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर भी बात की और स्पष्ट किया कि एनईपी में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा नहीं कहा गया है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, राज्य की भाषा सिखानी होगी। अंग्रेजी सिखानी होगी। और कोई तीसरी भाषा भी। जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। वह संस्कृत हो सकती है। कोई भी तीसरी भाषा। संस्कृत क्यों नहीं? आपको हिंदी नहीं चाहिए, तब क्या संस्कृत भी नहीं चाहिए?

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**